दैनिक सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
वर्ष 54/ अंक 170
पृष्ठ 8 / मूल्य 2.10
dainiksandhyaprakash.in
भोपाल, गुरुवार 16 जनवरी 2025
भोपाल से प्रकाशित
आर.एन.आई 22296/71 मप्र/भोपाल/125/12-14

इसरो ने रचा इतिहास
स्पेडेक्स मिशन के तहत
उपग्रहों की सफल डॉकिंग

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट' (स्पेडेक्स) के तहत उपग्रहों की 'डॉकिंग' सफलतापूर्वक की। इसरो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, भारत ने अंतरिक्ष इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है। सुप्रभात भारत, इसरो के स्पेडेक्स मिशन ने 'डॉकिंग' में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। इस क्षण का गवाह बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

इससे पहले 12 जनवरी को इसरो ने उपग्रहों को 'डॉक' करने के परीक्षण के तहत दो अंतरिक्ष यान को तीन मीटर की दूरी पर लाकर और फिर सुरक्षित दूरी पर वापस भेजा था।

भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश

बेंगलुरू। भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और लंबी छलांग लगाकर विश्व के चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार सुबह इतिहास रच दिया। इसरो ने दो उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित कर दिया। इसके साथ ही अमेरिका, रूस, चीन के बाद भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन गया। यह प्रौद्योगिकी भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं जैसे चंद्रमा पर भारतीय मिशन, चंद्रमा से नमूने वापस लाना, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) का निर्माण और संचालन आदि के लिए जरूरी है।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और पूरे अंतरिक्ष समुदाय को उपग्रहों की अंतरिक्ष डॉकिंग के सफल प्रदर्शन के लिए बधाई। यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने ट्वीट किया, इसरो को बधाई। आखिरकार आपने कर दिखाया।

इसरो के स्पाडेक्स मिशन की सफलता पर दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इसरो के स्पा डेक्स मिशन के सफल होने पर इसरो के सभी वैज्ञानिकों और देशवासियों को बधाई

और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि भारत ने अंतरिक्ष जगत में पुनः इतिहास रचा है ,अब अंतरिक्ष में दो सैटेलाइटों को जोड़ने वाला भारत विश्व का चौथा देश बन गया है। सभी के लिए यह गर्व और आनंद का विषय है। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में यह ऐतिहासिक उपलब्धि मील का पत्थर सिद्ध होगी।

सांध्यप्रकाश विशेष

सिंगापुर के राष्ट्रपति ने मुर्मू और पीएम मोदी से की मुलाकात; बोले- हम कभी नहीं भूलेंगे

नई दिल्ली। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम अपनी पत्नी जेन युमिको इट्टोगी के साथ पांच दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वहीं, इस दौरान थर्मन का औपचारिक स्वागत किया गया।

शनमुगरत्नम का यह दौरा भारत और सिंगापुर के बीच कूटनीतिक संबंधों के 60 साल पूरे होने के अवसर पर हो रहा है। उनका उद्देश्य विभिन क्षेत्रों में भारत-सिंगापुर के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना है।

इस मौके पर सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने कहा, हम यह कभी नहीं भूलेंगे कि भारत 1965 में सिंगापुर की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाले पहले कुछ देशों में से एक था। तब से हमारा रिश्ता बढ़ता चला गया है। यह एक छोटे से देश सिंगापुर और एक बहुत बड़े देश भारत के बीच एक स्वाभाविक साझेदारी है। उन्होंने कहा, हमने ऐसे तरीकों से सहयोग करने के रास्ते खोजे हैं, जो दोनों देशों के आपसी हित में हैं। हमारे व्यापारिक संबंध फल-फूल रहे हैं। वास्तव में, सिंगापुर कई वर्षों से भारत में सबसे बड़ा निवेशक रहा है। हमारे रक्षा संबंध मजबूत हैं। कौशल विकास में हमारा संबंध हाल के वर्षों में बहुत सक्रिय रहा है और यह लगातार बढ़ रहा है। अब हम भारत के साथ एक नई दिशा में जा रहे हैं, जब से हमारे संबंधों को एक समग्र रणनीतिक साझेदारी के रूप में उन्नत किया गया, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी की पिछले साल सितंबर में सिंगापुर यात्रा के दौरान घोषित किया गया था। हम मौजूदा सक्रिय संबंधों से परे जाकर नई पहलों की तलाश कर रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता सुरेश पचौरी ने संचार भवन में केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भेंट की।

7वीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शुरू, 30 हजार करोड़ के प्रस्तावों पर चर्चा होगी, निवेशकों से वन टू वन बात करेंगे

शहडोल रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव से क्षेत्र में बढ़ेंगी औद्योगिक गतिविधियां: यादव

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शहडोल में रीजनल इंडस्ट्रियल कांक्लेव 2025 का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल, शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह, सीधी सांसद राजेश मिश्रा, प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सीएम यहां उद्योगपतियों से वन टू वन चर्चा करेंगे। कॉन्क्लेव के लिए पांच हजार निवेशकों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से लगभग 40 से ज्यादा बड़े उद्योगपति शहडोल पहुंचे हैं। स्थानीय निवेशक भी शामिल हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देश को आगे बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए प्रत्येक स्तर पर गतिविधियां जारी हैं। राज्य की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने के लक्ष्य पर राज्य में संकल्पित भाव के साथ कार्य किया जा रहा है।

इस क्रम में आरंभ की गई रीजनल इंडस्ट्रियल कांक्लेव की अगली कड़ी के रूप में शहडोल क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार पर उद्योग समूह और निवेशकों के साथ संवाद होगा। संभाग के तीनों जिलों शहडोल, अनूपपुर और उमरिया के लिए प्राप्त हुए नए निवेश के प्रस्ताव उत्साहवर्धक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन, स्वास्थ्य ,खनन, भारी उद्योग, लघु एवं मध्यम उद्योग सहित सभी सेक्टर में निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं। पिछली इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव में हुए एम ओ यू के अंतर्गत उद्योगों के भूमि पूजन और लोकार्पण का क्रम भी जारी है। इससे प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के साथ ही युवाओं को रोजगार के भी पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे।

मप्र-छग की कंपनियां हो रहीं शामिल

इंजीनियरिंग कॉलेज के मुख्य हॉल में आयोजित कार्यक्रम में 30 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों पर चर्चा हो सकती है। विशेष रूप से खनिज उद्योग, सौर ऊर्जा और पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर बातचीत होगी। कॉन्क्लेव में एसीसी सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट और रिलायंस इंडस्ट्री के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कॉन्क्लेव में शामिल होने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की कंपनियां आ रही हैं। इनमें टोरेन्ट पावर लिमिटेड, शारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड, रामा सीमेंट इंडस्ट्रीज, श्री बजरंग पावर लिमिटेड, जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड, एसएम परिमल प्रोसेस प्राइवेट लिमिटेड और रिलायंस इंडस्ट्री के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। ओरिएंट पेपर मिल, एसीसी सीमेंट लिमिटेड, आरके ग्रुप रायपुर, महावीर कोल रिसोर्स प्राइवेट लिमिटेड, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के भी प्रतिनिधि भी कॉन्क्लेव में शामिल होंगे।

मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा में तेजी से वृद्धि

ऊर्जा विभाग के एसीएस मनु श्रीवास्तव ने कहा- मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है। सोलर और विंड एनर्जी को प्रदेश सरकार बढ़ावा दे रही है। हम भारतीय रेल को बिजली दे रहे हैं। दिल्ली मेट्रो को बिजली दे रहे हैं। हमारा टैरिफ 2 रुपए 15 पैसे रहा है।

कॉन्क्लेव में जाने से पहले सीएम ने गौ-पूजन की

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में जाने से पूर्व सीएम ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर करते

हुए लिखा- भारतीय संस्कृति में किसी भी शुभ कार्य से पूर्व गौ माता के पूजन का विशिष्ट महत्व होता है... आज शहडोल में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में सहभागिता से पूर्व निवास स्थित गौशाला में जगतजननी गौ माता की सेवा कर प्रदेशवासियों के कल्याण हेतु प्रार्थना की। मैया के आशीर्वाद से अनंत संभावनाओं वाले मध्यप्रदेश में निवेश की वर्षा हो और विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प सिद्धि का पथ प्रदर्शित हो, यही प्रार्थना है।

अडाणी ग्रुप को निशाना बनाने वाली हिंडनबर्ग रिसर्च पर लगेगा ताला

नई दिल्ली। अडाणी समेत कई दिग्गज कंपनियों की पोल खोलने वाली अमेरिकी शॉर्ट-सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च अब बंद होने जा रही है। बुधवार देर रात कंपनी के फाउंडर नाथन एंडरसन ने इस फैसले का ऐलान किया। एंडरसन ने ङ्ग पर पोस्ट करते हुए कहा, हमने जो भी लक्ष्य तय किए थे, वह पूरे हो चुके हैं। अब कंपनी को बंद करने का समय आ गया है। इस फैसले के पीछे कोई निजी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं है।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने 2017 में शुरुआत की थी। इसके बाद कंपनी ने कई बड़ी रिपोर्ट्स पेश कीं। इनमें अडाणी ग्रुप और इकान इंटरप्राइजेज के खिलाफ की गई रिपोर्ट्स ने सनसनी मचा दी थी। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग ने स्श्वक्चढ्ढ चीफ माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की अडाणी ग्रुप से जुड़ी ऑफशोर कंपनियों में हिस्सेदारी थी।इस रिपोर्ट ने भारत में एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। इन खुलासों से अडाणी ग्रुप की मार्केट वैल्यू में अरबों डॉलर की गिरावट आई थी।

हिंडनबर्ग रिसर्च का नाम 1937 में हुए हिंडनबर्ग एयरशिप हादसे पर रखा गया है। एंडरसन ने इस घटना से प्रेरित होकर कंपनी का नाम रखा था। उस समय जर्मनी का एक हवाई जहाज %हिंडनबर्ग% क्रैश हो गया था, जिसमें 35 लोगों की मौत हो गई थी। एंडरसन का कहना है कि यह नाम रखने का मकसद फाइनेंनशियल वर्ल्ड में हो रही अनियमितताओं और घोटालों को उजागर करना था, ताकि भविष्य में ऐसे क्रैश रोके जा सकें।

सैफ अली खान पर घर में घुसकर हमला

रीढ़ की हड्डी, गर्दन समेत 6 घाव, सर्जरी हुई; दावा- चोरी की नीयत से घुसा था हमलावर

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर बुधवार देर रात करीब 2ः30 बजे मुंबई में खार स्थित उनके घर पर चाकू से हमला किया गया। सैफ के गले, पीठ, हाथ, सिर पर चाकू लगा है। सैफ को रात 3 बजे लीलावती हॉस्पिटल लाया गया, जहां उनकी सर्जरी की गई।

लीलावती अस्पताल के ष्टह्रह्र (चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर) डॉ. नीरज उत्तमानी ने बताया कि सैफ को छह बार चाकू घोंपा गया। उनमें से दो घाव गहरे हैं। एक घाव रीढ़ की हड्डी के पास है। डॉ. नितिन डांगे (सर्जन), डॉ. लीना जैन (कंसल्टेंट प्लास्टिक सर्जन), डॉ. निशा गांधी (एनेस्थीसिया स्पेशलिस्ट), डॉ. कविता श्रीनिवास (इंटेसिविस्ट) और डॉ. मनोज देशमुख (कंसल्टेंट रेडियोलॉजिस्ट) उनका इलाज कर रहे हैं।

घर के बाहर घबराई हुई नजर आई करीना- अपार्टमेंट के बाहर से देर रात का करीना कपूर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो स्टाफ से बात करते हुए घबराई नजर आ रही हैं। उनके साथ उस दौरान 3 फीमेल और 1 मेल स्टाफ मौजूद था। करीना के पास एक ऑटो भी खड़ा हुआ है।

बाइडेन का विदाई भाषण, कहा-

अमेरिका में रईसों का दबदबा खतरनाक

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार देर रात राजधानी वॉशिंगटन डीसी के ओवल ऑफिस से अपना विदाई भाषण दिया। इस भाषण में उन्होंने एक बार भी डोनाल्ड ट्रम्प का नाम नहीं लिया। हालांकि, उनका पूरा भाषण ट्रम्प की नीतियों और उनके सहयोगियों के इर्द-गिर्द ही रहा।

बाइडेन ने आखिरी भाषण में कहा कि देश में रईसों के एक छोटे से तबके का वर्चस्व बढ़ रहा है। इससे देश और लोकतंत्र को खतरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने देश में टेक-इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स के उभार पर चिंता जताई। बाइडेन ने इससे अमेरिकी नागरिकों के अधिकारों को खतरा बताया। अपने कार्यकाल पर बात करते हुए उन्होंने कहा-हमने जो कुछ भी किया है, उसका असर दिखने में समय लगेगा, लेकिन बीज बो दिए

गए हैं, वे बढ़ेंगे और आने वाले दशकों तक खिलेंगे।

मीडिया और सोशल मीडिया पर हमला: बाइडन ने स्वतंत्र मीडिया की गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, स्वतंत्र प्रेस कमजोर हो रही है।

जलवायु संकट और बाधाएं

बाइडन ने अपनी सरकार की जलवायु उपलब्धियों पर गर्व जताया, लेकिन चेताया कि शक्तिशाली ताकतें इन प्रयासों को कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं।

आने वाले दशकों का विजन: उन्होंने कहा, हमने जो कुछ भी साथ में किया है, उसका असर महसूस करने में समय लगेगा, लेकिन बीज बो दिए गए हैं, और ये आने वाले दशकों तक बढ़ेंगे और फलेंगे-फूलेंगे।

कोयला घोटाले मामले की सुनवाई से जस्टिस केवी विश्वनाथन ने खुद को किया अलग

नई दिल्ली। कोयला घोटाले मामले में अब नया मोड़ सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश केवी विश्वनाथन ने गुरुवार को सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। उनका कहना है कि वह इस मामले में वकील के रूप में पेश हो चुके हैं।

इन याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट के पहले के आदेशों में बदलाव की मांग की जा रही है, जिनके तहत हाईकोर्ट को कोयला ब्लॉक आवंटन से जुड़े आपराधिक मामलों में ट्रायल कोर्ट के आदेशों के खिलाफ अपील सुनने से रोका गया था। मुख्य न्यायधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायाधीश संजय कुमार और विश्वनाथन शामिल थे।

राजस्थान-दिल्ली समेत 6 राज्यों में बारिश, अनंतनाग-पुंछ में बर्फबारी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में गुरुवार सुबह से 4 जिलों अनंतनाग, पुंछ, भद्रवाह और डोडा में बर्फबारी हो रही है। कुफरी, नारकंडा, लाहौल घाटी, सोलंग नाला, शिमला, भरमौर और मनाली में भी बर्फबारी हुई। पहलगाम, श्रीनगर, काजीकुंड, कोकेरनाग और गुलमर्ग में तापमान माइनस में रिकॉर्ड किया गया है।

मौसम विभाग ने गुरुवार (16 जनवरी) के लिए राजस्थान के जयपुर, भरतपुर और कोटा

समेत 6 जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश, हिमाचल, दिल्ली और उत्तराखंड में बारिश का अलर्ट जारी किया है। ठंड के चलते उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 8 लोगों की मौत हो गई। ठंड के चलते 8वीं तक के स्कूल 18 जनवरी तक के लिए बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली में गुरुवार रात से जारी बारिश के कारण सुबह का तापमान 10 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। हालांकि कोहरे और लो विजिबिलिटी के कारण 29 ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

कायस्थम-2025 का आयोजन कल, 13 श्रेणी की 45 कायस्थ प्रतिभाओं का होगा सम्मान

प्रसिद्ध टीवी कलाकार ऐश्वर्या खरे को मिलेगा कायस्थ गौरव सम्मान

गीत ,नृत्य के साथ महिलाओं की परिधानम प्रतियोगिता भी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कायस्थम भोपाल द्वारा शुक्रवार 17 जनवरी की शाम 5 4.30 बजे रविंद्र भवन में कायस्थम – 2025 का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में 13 विभिन्न कैटेगरी में 45 कायस्थ प्रतिभाओं का सम्मान होगा । इसके साथ ही कायस्थ समाज के प्रतिभाशाली गायकों द्वारा सदाबहार गीत और राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त नृत्यांगनाओं द्वारा भरतनाट्यम एवं कथक नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे । भारत के विभिन्न राज्यों में पहने जाने वाले ऐसे परिधान जिससे भारतीय संस्कृति की झलक मिलती है, उनको लेकर कायस्थ महिलाओं के बीच परिधानम प्रतियोगिता भी होगी । प्रतियोगिता में राज्यों में पहने जाने वाले परिधान जैसे साड़ी एवं अन्य वेशभूषा का प्रदर्शन होगा। कार्यक्रम के विशेष अतिथि सहकारिता ,खेल एवं युवक कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग होंगे जबकि वरिष्ठ पत्रकार एवं कायस्थम के संरक्षक श्री महेश श्रीवास्तव कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इनके अलावा राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव, पूर्व सांसद श्री आलोक संजर ,पूर्व विधायक श्री शैलेंद्र प्रधान, भोपाल नगर निगम के पूर्व आयुक्त श्री देवीसरन और प्रसिद्ध टीवी कलाकार सुश्री ऐश्वर्या खरे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कायस्थम – 2025 के आयोजन में सुश्री ऐश्वर्या खरे को कायस्थ गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। सुश्री ऐश्वर्या खरे इन दोनों जी टीवी पर प्रसारित एकता कपूर के पारिवारिक सीरियल भाग्यलक्ष्मी में लक्ष्मी का किरदार निभा रही है। इसके पूर्व वे कलर एवं ज़ी टीवी पर प्रसारित अनेक पारिवारिक सीरियल में लीड रोल में नजर आई है । जिनमें यह है चाहते हैं, साम – दाम – दंड – भेद, विषकन्या, नागिन- 5 आदि शामिल है। ऐश्वर्या प्रसिद्ध भजन गायक श्री रवि खरे की पुत्री हैं। भोपाल में उनकी स्कूली शिक्षा हुई, उसके बाद उन्होंने मॉस कम्युनिकेशंस में मुंबई से अपनी पढ़ाई की पूरी की। ऐश्वर्या खरे के अलावा हमारे बुजुर्ग श्रेणी में 95 वर्षीय देवीसरन, 92 वर्षीय श्री घनश्याम सक्सेना का भी सम्मान होगा। कार्यक्रम में संस्था की ओर से प्रकाशित कायस्थ दर्पण पत्रिका का विमोचन भी होगा। प्रख्यात नृत्यांगना डॉ.मोहिका सक्सेना , श्रीमती नंदा खरे और सुश्री गार्गी श्रीवास्तव द्वारा भरतनाट्यम एवं कथक नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। प्रसिद्ध संगीतज्ञ और गायकों द्वारा गीत – संगीत की प्रस्तुति की जाएगी। परिधानम प्रतियोगिता में कायस्थ समाज की लगभग 35 महिलाएं भाग ले रही हैं। कायस्थम संस्था का यह पहला भव्य आयोजन है। इसके पूर्व गत सितंबर में कायस्थम का गठन हुआ था। कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष आर.पी. श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव,सुरेश श्रीवास्तव, महासचिव अभय श्रीवास्तव, सचिव डॉ. रश्मि सक्सेना, कोषाध्यक्ष मुकुल अस्थाना ,संयुक्त सचिव अजय भटनागर ने कायस्थ समाज के समस्त चित्रांश बंधुओ से कार्यक्रम में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

सम्मानित होने वाली प्रतिभाएं: कायस्थम के आयोजन में 13 विभिन्न कैटेगरी में जो अन्य प्रतिभाएं सम्मानित होंगी,उनमें प्रशासन श्रेणी में अजातशत्रु श्रीवास्तव सेवानिवृत आईएएस, प्रदीप खरे सेवानिवृत आईएएस, ओम प्रकाश श्रीवास्तव आईएएस, सचिव गृह विभाग, दीपक सक्सेना आईएएस, कलेक्टर जबलपुर, अभा सूचना सेवा से सेवानिवृत अनिल सक्सेना, भूमि श्रीवास्तव असिस्टेंट कमिश्नर इनकम टैक्स, पराक्रम/शौर्य श्रेणी में सेना से सेवानिवृत रियल एडमिरल प्रकाश लाल, सेना से सेवानिवृत कर्नल डॉ. गिरजेश सक्सेना, प्रशांत खरे आईपीएस, उप महानिरीक्षक डीआईजी नर्मदापुरम संभाग, दीपक अस्थाना असिस्टेंट कमांडेंट सीआईएसफ भेल भोपाल, चिकित्सा श्रेणी में गांधी मेडिकल कालेज के पूर्व डीन अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. निर्भय श्रीवास्तव, डॉ. विजया ब्यौहार शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. एस.के. सक्सेना सेवानिवृत सिविल सर्जन,पत्रकारिता श्रेणी में सर्वश्री कैलाश गौड़ वरिष्ठ पत्रकार, सुधीर सक्सेना वरिष्ठ पत्रकार , राजेश चंचल वरिष्ठ पत्रकार, अनुज खरे वरिष्ठ पत्रकार नई दिल्ली, उद्योग/ व्यवसाय श्रेणी में विशाल ज़ौहरी संचालक वरेण्यम मोटर्स, शिक्षा श्रेणी में प्रोफेसर डॉ संतोष कुमार श्रीवास्तव पूर्व कुलपति, प्रोफेसर डॉ. एस. के. कुलश्रेष्ठ शिक्षाविद, पूर्व प्राचार्य, डॉ. उषा खरे पूर्व प्राचार्य, उमावि जहांगीराबाद भोपाल, अभिषेक खरे, करियर काउंसलर एवं लेखक, मेधावी विद्यार्थी श्रेणी में पीएससी टॉपर रजत श्रीवास्तव , कला एवं संस्कृति श्रेणी में डॉ. सुषमा श्रीवास्तव चित्रकार, डॉ. मोहिका सक्सेना डेंटिस्ट एवं नृत्यांगना,श्रीमती शैली लाल चित्रकार एवं संगीत विशारद, डॉ. श्रुति जौहरी संगीतज्ञ, अर्चना खरे बुंदेली गायिका एवं संगीतज्ञ, गार्गी श्रीवास्तव नृत्यांगना,श्री दिनेश मोवार सक्सेना फोटोग्राफर, साहित्य श्रेणी में सुनीता भटनागर,श्रीमती संतोष श्रीवास्तव, ऊषा सक्सेना, समाज सेवा श्रेणी में स्व. वीरेंद्र श्रीवास्तव (मरणोपरांत), किरण कुमार खरे दमोह, वकालत/ विधि सेवा श्रेणी में बी.पी. श्रीवास्तव वरिष्ठ अधिवक्ता, उमेश निगम वरिष्ठ अधिवक्ता, विज्ञान श्रेणी में डॉ. राजेश सक्सेना वैज्ञानिक, डॉ. योगेन्द्र सक्सेना वैज्ञानिक एवं खेल श्रेणी में मास्टर भव्य कुमार सक्सेना जिम्नास्टिक,

गहोई दिवस 19 को, सूर्यदेव की भव्य शोभायात्रा निकलेगी

भोपाल। गहोई वैश्य समाज पंचायत द्वारा अपने आराध्य भगवान सूर्यदेव के पर्व मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में 19 जनवरी को गहोई दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सूर्यदेव की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।उक्त जानकारी आयोजन समिति के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश बिजपुरिया और संयोजक तनुज कुदरिया ने दी। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा सुबह 10 बजे समाज की जुमेराती स्थित धर्मशाला से शुरू होगी, जो सिंधी मार्केट, भवानी चौक, मोती मस्जिद, रेतघाट, कमला पार्क, पोलोटेक्निक चौराहा होते हुए हिंदी भवन पहुँचेगी। यहां भगवान सूर्यदेव की पूजा आराधना की जाएगी। इस अवसर पर समाज की महिलाओं और बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अकर्षक प्रस्तुति भी की जाएगी। समाज के अध्यक्ष रमेशचंद्र लोहिया सहित अमरचंद कठल, तरुण कुचिया, दीपक सावला, महेश बहरे, राकेश सुहाने, भगवानदास गुप्ता, कुबेरचन्द्र रेज, प्रकाशचंद्र कुचिया, राकेश कनकने, वरुण गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, अखिल रेजा, महेश सरावगी, अशोक सेठ, ललित निखरा आदि ने सभी स्वजातीय बंधुओ से शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की है।

यह होंगे आकर्षण– संयोजक तनुज कुदरिया ने बताया कि शोभायात्रा में धर्म ध्वजा, डीजे, ढोल- तासे, बेंड, समाज के गौरव राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त के चित्र के अलावा बग्गी पर भगवान गणेश और अश्व रथ पर भगवान सूर्यदेव की पीतल से निर्मित प्रतिमा आकर्षण का केंद्र रहेगी। शोभायात्रा का मार्ग में विभिन्न संगठनों द्वारा स्वागत किया जाएगा।

इंडस गार्डन फेज 1 बाबड़िया कलां योग केंद्र के साधकों ने मकर संक्रांति पर्व मनाया

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि इंडस गार्डन कालोनी फेज एक के केंद्र के योग साधको द्वारा परिवार सहित संक्रांति पर्व उत्साह पूर्वक मनाया गया एवं सभी सदस्यों ने पतंग उड़ाने के साथ गजक एवं लडडू का भी आंनद लिया। मकर संक्रान्ति अन्धकार की कमी और प्रकाश की वृद्धि की शुरुआत है। दरअसल, समस्त जीवधारी (पशु,पक्षी व् पेड़ पौधे भी) प्रकाश चाहते हैं। संसार सुषुप्ति से जाग्रति की ओर अग्रसर होता है। प्रकाश अधिक होने से प्राणियों की चेतनता एवं कार्य शक्ति में वृद्धि होती है। प्रकाश ज्ञान का प्रतीक है और अन्धकार अज्ञान का। भारत देश उत्तरी गोलार्ध में स्थित है, इसलिए तमसो मा ज्योतिर्गमय का उद्घोष करने वाली भारतीय संस्कृति में मकर संक्रांति अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतवर्ष के लोग इस दिन सूर्यदेव की आराधना एवं पूजन कर, उसके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हैं। मकर संक्रांति को सम्पूर्ण भारत में मनाया जाता है। यह भारत का राष्ट्रीय पर्व है। पर्व एक है पर इसको मनाने की परम्पराएं अलग-अलग हैं। इस पर्व के माध्यम से भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की झलक विविध रूपों में दिखती है। विशाल भारत की विविधताओं में अन्तर्निहित एकता और अखण्डता का अनुपम उदाहरण है मकर संक्रांति।

तमिल समाज ने पोंगल त्यौहार नागेश्वरी अम्मन मंदिर गोविंदपुरा में मनाया

भोपाल। पोंगल त्योहार दक्षिण भारत में मनाए जाने वाले प्रमुख त्योहारों में से एक है पोंगल त्योहार विशेष रूप से किसानों का पर्व है नई फसल काटने की खुशी में यह त्यौहार मनाया जाता है यह तमिल महीना तई मासम के पहली तारीख से 4 दिन लगातार पोंगल का पर्व मनाया जाता है पहले दिन भोगी पोंगल इंद्रदेव की पूजा दूसरे दिन सूर्य देव की पूजा तीसरे दिन माट्टू पोंगल बैल/नंदी की पूजा चौथे दिन कानूम पोंगल चारों दिन बड़े हर्षोल्लाह उत्साह के साथ यह त्यौहार मनाया जाता है इसमें महिलाएं पुरुष बच्चे सभी लोग पारंपरिक वेशभूषा में सांस्कृतिक नृत्य/कोलम आइटम/ करगा आटम /खेलकूद का आयोजन करते हैं गन्ना खड़ा करके रंगोली बनाकर मिट्टी के चूल्हे में नए मिट्टी के बर्तन में गुड दूध चावल की खिचड़ी उबालते हैं जो उबलते हुए बर्तन से नीचे बहता है तमिल संगम भोपाल द्वारा पोंगल त्यौहार श्री नागेश्वरी अम्मन मंदिर गोविंदपुर में मनाया गया अध्यक्ष चंद्रशेखर , सचिव सुब्रमण्यम, संरक्षक एम रवि (एडवोकेट) एम संतोष कुमार, पी देवराज, सूर्यकुमार, पी राजू, के रामदास, कार्तिक स्वामी, एम मणि, आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे

गहोई समाज ने श्रद्धा से मनाई मकर संक्रांति

भोपाल। श्री गहोई समाज द्वारा आज अपने आराध्य भगवान सूर्यदेव का पर्व मकर संक्रांति श्रद्धा व भक्तिभाव से मनाया गया। इस अवसर पर समाज के फतेहगढ़ स्थित मंदिर कंठाली में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान सूर्यदेव की प्रतिमा का अभिषेक, श्रंगार , हवन और महाआरती की गई। इसके बाद स्वजातीय बन्धुओं ने पर्व की शुभकामनाओं का आदान प्रदान किया। इस अवसर पर रमेशचंद्र लोहिया, दीपक सावला, ओमप्रकाश बिजपुरिया, तनुज कुदरिया, वरूण गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, तरुण गुप्ता, रोहित नोगरिया, अभिषेक गेड़, अमरचंद कठल, महेश बहरे, राकेश सुहाने, अखिल रेजा आदि उपस्थित थे।

द्रोणाचल में शहीद स्मारक पर 77वां सेना दिवस मनाया

संत हिरदाराम नगर। सुदर्शन चक्र कोर के मेजर जनरल शरद कुमार श्रीवास्तव, चीफ ऑफ स्टाफ, सुदर्शन चक्र कोर द्वारा द्रोणाचल में शहीद स्मारक पर एक भव्य पुष्पांजलि समारोह आयोजित करके 77वें सेना दिवस का भी स्मरण किया। इस अवसर पर जनरल ऑफिसर ने आह्वान किया कि प्रत्येक सैनिक को दृढ़ संकल्प और गर्व के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना करते हुए सेना की गौरवशाली परंपराओं को बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों, जेसीओ और जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि वे हमारी मातृभूमि को और अधिक सफलता और गौरव दिलाएं जिससे राष्ट्र निर्माण में अथक योगदान मिले। सेना दिवस हर साल 15 जनवरी को लेफ्टिनेंट जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) के एम करिअप्पा द्वारा स्वतंत्र भारत के अंतिम ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना के पहले कमांड-इन-चीफ के रूप में कार्यभार संभालने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। सेना दिवस वीर सैनिकों को सलाम करने का दिन है, जिन्होंने सेना की सर्वोच्च परंपराओं को कायम रखते हुए अपने कर्तव्य का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

मकर संक्रांति पर कलचुरी महिला मंडल ने गरीब बस्ती की महिलाओं को शॉल और बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की

भोपाल। मकर संक्रांति के अवसर पर कलचुरी महिला मंडल ने स्लम एरिया की महिलाओं को शॉल और बच्चों को खाद्य सामग्री वितरीत की। मंडल की ओर से बच्चों को पतंग भी दी गई।इस अवसर पर माननीय महापौर श्रीमति मलती राय जी विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित थी। महिला मंडल की सदस्यों का सुषमा राय और कमलेश राय ने हल्दी कुमकुम किया और इसके पश्चात् मनोरंजक कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम में कमलेश राय, सुषमा राय, प्रगति मालवीय, राजकुसुम राय, वंदना राय, रत्ना जायसवाल, भावना चौकसे, नीलू चौकसे,प्रीति जायसवाल और अन्य सदस्यो न बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

साइबर जागरूकता पर सेवा भारती और क्विक हिल फाउंडेशन ने आयोजित किया नुक्कड़ नाटक

संत हिरदाराम नगर। ऑनलाइन ठगी और फ्रॉड से बचाव हेतु राजधानी में साइबर जागरूकता सप्ताह,क्विक हिल फाउंडेशन और सेवा भारती मध्य भारत द्वारा रामेंद्र सिंह राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, सुरेंद्र सिंह सोलंकी सेवा भारती, संगठन मंत्री, मध्यभारत प्रांत, विमल त्यागी, प्रांतीय सचिव, राज नारायण अग्निहोत्री, प्रांतीय कोषध्यक्ष, गणेश सिंह प्रांतीय प्रबंधक के मार्गदर्शन में नुक्कड़ नाटकों के जरिए आम नागरिको को स्कूल कॉलेज और चौराहे-चौराहे पर जागरूक किया जा रहा है जिसमें नागरिकों को ओटीपी शेयर ना करना, सोशल मीडिया का निर्धारित समय में ही उपयोग, अपने फोटो एचडी क्वालिटी में पोस्ट ना करने, फेक लिंक, फेक मेसेज, फेक कॉल ना उठाने. सेक्सटॉरशन, डिजीटल अरेस्ट से कैसे बचे आदि प्रमुख को लेकर जागरूक किया जा रहा है। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया नुक्कड नाटक मे नाट्य कर्मी योगेश शेट्ये, संदिप शिंगदाणे, कृष्णा सकपाळ, कृष्णा नवले, निलेश माने और गौरव निमकर आदि कलाकारों द्वारा आसान भाषा में मनोरंजन के साथ जागरूक किया जा रहा है।

साधु वासवानी स्कूल में उत्साह के साथ मनाया मकर सक्रांति पर्व

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में मकर सक्रांति का पावन पर्व बड़े उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने मकर सक्रांति पर्व की हार्दिक बधाईयां देते हुए कहा कि यह पर्व भारतीय संस्कृति का महान पर्व है। इस पर्व का यही उद्देश्य है कि जिस प्रकार तिल व गुड़ मिलकर संगठित लड्डू बनते हैं उसी प्रकार आइये इस राष्ट्र को भी संगठित करें और आज के दिन विद्यार्थी यह प्रण करें कि हम अपनी पढ़ाई के प्रति जागरुक होंगे। जीवन में लक्ष्य इतना बड़ा रखें की आसमान में उड़ सकें जिस तरह एक पतंग आसमान में उड़कर ऊंचाईयों को छूती है। आप विद्यार्थी हो और पढ़ाई आप का जीवन हैं पढ़ाई के साथ अपनी सेहत का भी विशेष ध्यान रखें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

प्रदेश में हर गरीब को पक्का मकान का संकल्प होगा पूरा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को कराया गृह प्रवेश लखपति दीदियों को किए प्रमाण पत्र वितरित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि हर गरीब को पक्का मकान मिले। पूरे देश में अभी तक 4 करोड़ गरीबों को पक्के मकान दिलवाए जा चुके हैं। मध्यप्रदेश में पुराने सर्वे के अनुसार 16 लाख हितग्राहियों को पक्के मकान उपलब्ध कराने हैं, आज मध्यप्रदेश को 8.5 लाख नए आवास मिले हैं। इसके बाद पुनः सर्वे कराया जाएगा, कोई भी गरीब पक्के मकान के बिना नहीं रहेगा। मध्यप्रदेश में हर गरीब को पक्का मकान उपलब्ध कराने का संकल्प पूरा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को विदिशा में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत नवीन लक्ष्य का आवंटन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को सांकेतिक रूप से गृह प्रवेश कराया और लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने क्षेत्र के लिए 177 करोड़ 53 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारा एक ही ध्येय है विकास, विकास और विकास। हम इसकी प्राप्ति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। आने वाले 4 वर्षों में प्रदेश के बजट को दोगुना कर दिया जाएगा। हर क्षेत्र का विकास होगा। हर गरीब को पक्का मकान सहित सारी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। प्रदेश में गरीब, महिला, युवा और किसानों के लिए विशेष मिशन चलाए जा रहे हैं। सभी का कल्याण हमारा लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में दो बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) तथा अन्य सिंचाई परियोजनाओं से सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष-2003 में जो 7 लाख हेक्टेयर ही था, अब बढ़कर 48 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गया है। हर एक खेत को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। उन्होंने किसानों से कहा कि कुछ समय बाद हम कृषि उत्पादन में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी समय में विदिशा क्षेत्र का तेजी से विकास होगा। भोपाल, विदिशा, रायसेन और सीहोर को मिलाकर वृहद राजधानी परियोजना बनाई जा रही है। इसके लिए मास्टर प्लान शीघ्र ही तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न घोषणाएं की। उन्होंने घोषणा की कि विदिशा नगर पालिका को नगर निगम बनाया जाएगा तथा विदिशा मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल को एकीकृत कर सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास और प्रधानमंत्री जनमन आवास रिकॉर्ड समय में बनाए गए। प्रधानमंत्री जनमन योजना में पहली सड़क भी मध्यप्रदेश में बनाई गई।

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि जो गरीब आवास लेने से छूट गए हैं उनके लिए पुनः सर्वे कराया जा रहा है। अब सेल्फ-सर्वे की सुविधा भी सरकार दे रही है। उन्होंने बताया कि अब पात्रता की शर्तों में छूट दी गई है, जिसके अनुसार दो पहिया वाहन वाले, 15 हजार रूपये तक वार्षिक आय वाले और ढाई एकड़ तक सिंचित तथा 5 एकड़ तक असिंचित भूमि वाले हितग्राही भी प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए पात्र होंगे। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में 2011 की जनसंख्या के अनुसार 500 की आबादी वाले तथा 250 की जनजातीय आबादी वाले गांव भी पात्र होंगे। उन्होंने बताया कि किसानों को ग्रीन हाउस, पॉली हाउस, कृषि यंत्र, ड्रिप इत्यादि योजनाओं के अंतर्गत 384 करोड़ रुपए पूर्व में प्रदेश को दिए गए थे अब 435 करोड रुपए और दिए जाएंगे। लखपति दीदी बनाने के लिए एनआरएलएम योजना के अंतर्गत प्रदेश को 312 करोड़ 74 लाख रुपए की राशि दी गई है।

गेहूं खरीदी के लिए 20 जनवरी से होगा किसानों का पंजीयन : गोविंद सिंह राजपूत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

इस वर्ष गेहूं खरीदी के लिये किसानों का ऑनलाइन पंजीयन 20 जनवरी से शुरू होगा। गेहूँ खरीदी के लिये 4 हजार उपार्जन केन्द्र बनाये जायेंगे। गत वर्ष 3800 उपार्जन केन्द्र बनाये गये थे। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह जानकारी केन्द्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान दी।

केन्द्रीय मंत्री जोशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गेहूं उपार्जन की तैयारियों की राज्यवार समीक्षा कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी के बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता लाए। किसानों को गेहूं उपार्जन के बाद जल्द से जल्द भुगतान सुनिश्चित करें। रजिस्ट्रेशन जल्द शुरू करें एवं क्वालिटी कंट्रोल में जिम्मेदार लोगों की ड्यूटी लगायें। खाद्य मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश में इस वर्ष उपार्जन केन्द्रों पर गेहूं की मेकेनाइज्ड क्लीनिंग के लिये मशीन लगाने का प्रस्ताव है। इससे खराब गेहूँ की खरीदी रुकेगी। उन्होंने समितियों को दिये जाने वाले कमीशन की राशि बढ़ाने की बात कही। राजपूत ने भारत सरकार के स्तर पर गेहूँ और चावल के द्वितीय त्रैमास के प्रावधानित अनुदान देयक लंबित राशि शीघ्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिग में प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण रश्मि अरुण शमी ने बताया कि उपार्जन के संबंध में उत्तर प्रदेश में की जा रही कार्रवाई के अध्ययन के लिये एक टीम लखनऊ भेजी जा रही है। इस दौरान आयुक्त खाद्य सिबि चक्रवर्ती सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल। मैप कास्ट में विश्व संवाद केंद्र द्वारा सोशल मीडिया पर संवाद का आयोजन जिसे संबोधित करती नूपुर शर्मा।

भोपाल। नूतन महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित भारतीयज्ञान परंपराओं पर आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि भोपाल महापौर मालती राय संबोधित करते हुए इस कार्यक्रम में अनेक अतिथि शामिल हुए।

भोपाल। हमीदिया अस्पताल में आउटसोर्स कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे।

जे पी हॉस्पिटल बना एमआरआई सेवा प्रदान करने वाला प्रदेश का पहला जिला चिकित्सालय

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश के सभी जिला चिकित्सालयों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त करने के लिये तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उनके ही जिले में उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है और आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। नागरिकों को उन्नत, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जिला चिकित्सालय भोपाल (जेपी हॉस्पिटल) में एमआरआई जांच सेवा केंद्र का लोकार्पण किया। एमआरआई सेवा प्रदान करने वाला जेपी हॉस्पिटल प्रदेश का पहला जिला चिकित्सालय बन गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और विस्तारित करने के लिए सरकार सतत प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि एमआरआई जांच सेवा उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में भी शीघ्र शुरू की जाएगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि यह सेवा सीजीएचएस दर से 30 प्रतिशत कम शुल्क पर नागरिकों को उपलब्ध होगी। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकृत हितग्राहियों के लिए यह सेवा निःशुल्क रहेगी।

योग्य अभ्यर्थियों को समय पर मिले प्रवेश : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

नर्सिंग प्रवेश परीक्षा और विभागीय विषयों की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में 12वीं में हिंदी विषय न पढ़ने वाले अभ्यर्थियों के चयन में आई विसंगतियों का संज्ञान लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि इंडियन नर्सिंग काउंसिल के मानकों के अनुरूप आवश्यक प्रावधान कर इस समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि योग्य अभ्यर्थियों को समय पर प्रवेश मिल सके। उन्होंने फार्मेसी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाने के लिए फार्मेसी काउंसिल के नियमों में आवश्यक सुधार करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में विभागीय विषयों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन आयोग और लोक सेवा आयोग के माध्यम से चल रही विभागीय भर्ती प्रक्रियाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कैबिनेट स्वीकृत पदों की भर्ती की कार्यवाही निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही कैबिनेट अनुमोदन के लिए मेडिकल कॉलेजों में पे-प्रोटेक्शन का प्रावधान, तीन नवीन जिला चिकित्सालयों में पदों की स्वीकृति के प्रस्ताव की औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण करने के लिये कहा। राज्य मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, प्रमुख सचिव संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी, रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल के.के. रावत सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महंगाई भत्ते के एरियर की किस्त तत्काल भुगतान की जाए, कर्मचारी मंच करेगा प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने आयुक्त कोष एवं लेखा को पत्र सौंप कर मांग करी है कि वित्त विभाग के आदेश अनुसार महंगाई भत्ते के एरियर की प्रथम किस्त का तत्काल भुगतान किया जाय। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि वित्त विभाग म प्र शासन के आदेशानुसार प्रदेश के 7~50 लाख कर्मचारियों को चार प्रतिशत महंगाई भत्ते की एरियर की प्रथम किस्त दिसंबर माह के वेतन में भुगतान की जानी थी लेकिन कोष एवं लेखा का एरियर सिस्टम अपडेट ना होने के कारण महंगाई भत्ते के एरियर की प्रथम किस्त का भुगतान जनवरी माह के 15 दिन बाद भी कर्मचारियों को नहीं मिल पाया है जिस कारण प्रदेश के साढे लाख कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त हो गया है सरकार ने आदेश जारी करा था कि चार प्रतिशत महंगाई भत्ते की एरियर की किस्त चार किस्तों में भुगतान की जाएगी प्रथम किस्त दिसंबर माह के वेतन के साथ भुगतान की जाना थी लेकिन प्रथम किस्त ही भुगतान नहीं हो पाई है यदि महंगाई भत्ते की एरिया की किस्त सात दिवस में भुगतान नहीं की गई तो कर्मचारी मंच आयुक्त कोष एवं लेखा के कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करके ज्ञापन सौपेगा।

हिन्दू उत्सव समिति चला रही सदस्यता अभियान

भोपाल। श्री हिन्दू उत्सव समिति के पूर्व अध्यक्ष संजय गुप्ता एडवोकेट ने भोपाल नगर पालिक निगम में निवासरत सभी हिन्दुओं महिला एवं पुरूष से अपील की है, कि वह शीघ्र अतिशीघ्र हिन्दू उत्सव समिति भोपाल द्वारा की जा रही सदस्यता अभियान में सदस्य बनें। गुप्ता ने वर्तमान अध्यक्ष संतोष साहू का भी आभार व्यक्त किया है कि उन्होनें उनकी मांग पर एवं अन्य लोगों की मांग पर नवीन सदस्यता अभियान प्रारंभ किया है। ज्ञात हो कि 13.01.2025 से 19.01.2025 तक हिन्दू उत्सव समिति भोपाल की नवीन सदस्यता जारी है एवं सदस्यता फार्म शुल्क 250 रूपये हैं एवं आजीवन सदस्यता शुल्क 500 रूपये है जो कि श्रीराम मंदिर गुरूबख्श की तलैया में दिये जा रहे हैं।

हमीदिया अस्पताल से 400 टेलीमेडिसिन कर्मचारियों सहित हटाए गए 500 कर्मी

भोपाल। मध्य प्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए मुश्किल भरा दौर शुरू हो गया है। हाईकोर्ट की इंदौर बेंच द्वारा श्रमिकों के न्यूनतम पुनरीक्षित वेतन पर लगा स्टे हटाने के बाद विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर छंटनी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग में सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले कर्मचारियों में भोपाल के हमीदिया अस्पताल से 400 और सिंगरौली अस्पताल से 15 सहित पूरे प्रदेश से लगभग 500 टेलीमेडिसिन कर्मचारियों को निकालने के लिखित एवं मौखिक आदेश दिए गए हैं। इसके अलावा, जल जीवन मिशन से भी 20 जनवरी से 100 से अधिक आउटसोर्स सब इंजीनियरों की छंटनी की जा रही है।

ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स एवं अस्थाई कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा के अनुसार, यह अघोषित छंटनी बढ़े हुए वेतन और 9 महीने के एरियर से बचने की रणनीति है। उन्होंने आरोप लगाया कि हमीदिया अस्पताल में पहले से ही 600 कर्मचारियों की कमी थी, ऐसे में 400 और कर्मियों को हटाना चिंताजनक है। विशेष रूप से चिंता का विषय यह है कि इन कर्मचारियों में से अधिकांश 10-15 वर्षों से सेवारत हैं और कोरोना महामारी जैसी विकट परिस्थितियों में भी अपनी सेवाएं देते रहे। टेलीमेडिसिन कर्मियों की छंटनी से प्रदेश के उप स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की काउंसलिंग प्रभावित होगी। श्री शर्मा का कहना है कि सरकार उत्सव-महोत्सव और नेताओं के स्वागत-सत्कार पर तो खर्च कर रही है, लेकिन छोटे वेतनभोगी कर्मचारियों को आर्थिक तंगी का हवाला देकर नौकरी से निकाला जा रहा है।

सौरभ शर्मा कांड के बाद भी परिवहन में चेकिंग पॉइंट की ड्यूटी के लिए लगती है बोली

भोपाल। मप्र परिवहन विभाग के नौकरी छोडने वाले आरक्षक सौरभ शर्मा के कांड का अभी लोकायुक्त, ईडी जांच में खुलासा हुआ है। लेकिन विभाग में जमकर भ्रष्टाचार है इसकी ढेरों शिकायतें रही है। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने तो चौकियों पर हजारों करोड़ की वसूली की कई शिकायतें की हुई थी। चौकियां बंद हो चुकी है लेकिन अभी भी ट्रांसपोटर्स पर वसूली की आशंका दिख रही है। इसे लेकर अब इंदौर ट्रक ऑपरेटर एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने एक पत्र सीएम डॉ. मोहन यादव को लिखा है।

एसोसिएशन के चेयरमैन राजेंद्र त्रेहान और अध्यक्ष सीएल मुकाती ने यह पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि- निवेदन है कि मध्य प्रदेश परिवहन विभाग में चेकिंग पॉइंट पर जो वर्तमान में ट्रांसफर प्रणाली लागू है उसके कारण बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार होता है। क्योंकि मनपसंद चेकिंग पाइंट पर ट्रांसफर कराने के लिए बोली लगती है, सिफारिश होती है। जो ज्यादा बोली लगाता है उसे मनपसंद का चेकिंग पाइंट पर ट्रांसफर 6 माह के लिए कर दिया जाता है। जिसके कारण भ्रष्टाचार पनपता है और सरकार की बदनामी होती है।

पत्र में आगे कहा गया है कि इसलिए परिवहन चेकिंग पॉइंट पर नई ट्रांसफर प्रणाली लागू किया जाना चाहिए। हर 15 दिन में अधिकारियों-कर्मचारियों का ट्रांसफर होना चाहिए और यह काम कंप्यूटर प्रणाली से होना चाहिए। मैनुअल ट्रांसफर बंद कर भ्रष्टाचार पर रोक लगाई जाए तभी परिवहन चेकिंग पाइंट पर वाहन चालकों से हो रही अवैध वसूली बंद होगी। तभी परिवहन विभाग की छवि सुधरेगी।

स म्पा द की य

फिर फंसे जुकरबर्ग...!

विवादों से नाता रखने वाले मार्क जकरबर्ग एक बार फिर गलतबयानी के मामले में फंस गए हैं। भारतीय संसद की आईटी एंड कम्युनिकेशन मामलों की स्टैंडिंग कमिटी उन्हें समन करने वाली है। फेसबुक और मेटा पहले भी तथ्यों के साथ छेड़छाड़ और फेकन्यूज को लेकर ढिलाई जैसे आरोपों में घिरती रही हैं।

यह वाकई हैरत की बात है कि जकरबर्ग ने भारत को भी उन देशों में शामिल कर लिया जहां पिछले साल चुनाव में सरकारों ने सत्ता गंवाई। तथ्य यह है कि बीजेपी की सीटें भले कम हुई हों, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन

एनडीए ने बहुमत हासिल कर सरकार में वापसी की। परिणामस्वरूप नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और उनकी सरकार चल रही है। इस तथ्य से जकरबर्ग कैसे अनजान हो सकते हैं? क्या वह जानबूझकर भारत सरकार के बारे में गलत सूचनाएं फैला रहे हैं?

भारत के चुनाव से जुड़ी मार्क जुकरबर्ग की टिप्पणी को लेकर संसदीय पैनल ने कंपनी के खिलाफ समन जारी करने का फैसला किया है। समन करने की खबर ऐसे वक्त सामने आई थी, जब एक दिन पहले ही यानी सोमवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग पर पलटवार किया था। दरअसल, जुकरबर्ग ने दावा किया था कि कोविड-19 महामारी के बाद भारत समेत ज्यादातर देशों की मौजूदा सरकारों को 2024 में चुनावी हार का सामना करना पड़ा। मंत्री ने कहा था कि उनका बयान तथ्यात्मक रूप से गलत है।

मामले में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि मेटा को गलत सूचना फैलाने के लिए माफी मांगनी होगी। मेरी समिति इस गलत जानकारी के लिए मेटा को बुलाएगी। किसी भी लोकतांत्रिक देश की गलत जानकारी देश की छवि को धूमिल करती है। इस गलती के लिए भारतीय संसद से तथा यहां की जनता से उस संस्था को माफी मांगनी पड़ेगी। असल में अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत ने 2024 के आम चुनाव का आयोजन कराया। इसमें 64 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने हिस्सा लिया। देश के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर भरोसा जताया और लगातार तीसरी बार सत्ता में बिठाया। सूचना और प्रसारण मंत्री ने कहा कि जुकरबर्ग का यह दावा कि 2024 के चुनावों में भारत सहित अधिकांश मौजूदा सरकारों को कोविड महामारी के बाद हार का सामना करना पड़ा, तथ्यात्मक रूप से गलत है।

समन जारी होने के बाद मेटा बैकफुट पर आ गई है। कंपनी ने इस मामले में माफी मांगी है। कंपनी ने कहा कि अनजाने में हुई गलती के लिए हम माफी मांगते हैं। मेटा इंडिया में सार्वजनिक नीति के निदेशक के तौर पर काम करने वाले शिवनाथ ठाकुरल ने एक्स पर एक पोस्ट में सीईओ की तरफ से माफी मांगी। उन्होंने कहा, मार्क का यह कहना कि 2024 के चुनावों में कई मौजूदा पार्टियां फिर से चुनकर नहीं आईं, कई देशों के लिए सही है, लेकिन भारत के मामले में ऐसा नहीं है। हम इस अनजाने में हुई गलती के लिए माफी चाहते हैं। भारत मेटा के लिए एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण देश बना हुआ है और हम इसके शानदार भविष्य के केंद्र में होने की आशा करते हैं।

सही बात तो यह है कि जुकरबर्ग का शुरू से ही विवादों से नाता रहा है। और पहले भी वह बयानों को लेकर या बदलावों को लेकर विवाद में फंसते रहे हैं। जुकरबर्ग ने अभी हाल ही में मेटा की कंटेंट मैनेजमेंट पॉलिसी में बड़े बदलाव की घोषणा की है। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर लाए जा रहे इन बदलावों के तहत मेटा थर्ड पार्टी फैक्ट चेकिंग का सिस्टम समाप्त करने वाली है। उसकी इस घोषणा को भी अमेरिका में हो रहे सत्ता परिवर्तन से जोड़कर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि यह ट्रंप समर्थकों को खुश करने की कोशिश है जो फ्री स्पीच के नाम पर फैक्ट चेकिंग की इस व्यवस्था का काफी समय से विरोध कर रहे हैं। 2018 में सामने आए कैंब्रिज एनालिटिका विवाद को भी इस संदर्भ में याद किया जा सकता है जिसमें यूजर्स के पर्सनल डेटा की सुरक्षा का सवाल प्रमुखता से उभरा था।

ऐसे और भी मामले हैं जिनसे यह संदेह मजबूत होता है कि फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल सिर्फ अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने के मकसद से हो रहा है। समाज को होने वाले नुकसान की तरफ पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। इस तरह की गैर जिम्मेदारी खतरनाक हो सकती है और इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती। ताजा विवाद को सरकार ने गंभीरता से लिया है, यह अच्छी बात है। लेकिन उसकी चिंता इसी मामले तक सीमित न रहे, यह देखना होगा। हेट स्पीच और फेक न्यूज के अन्य मामले भी उतने ही गंभीर हैं चाहे वे किसी भी समुदाय और पार्टी के खिलाफ केंद्रित हों।

उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार की सख्ती मेटा को ज्यादा जिम्मेदार बनाएगी। और मेटा भी सोशल मीडिया के नाम पर कुछ भी परोसने से बचेगी और फायदे के साथ ही समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी समझेगी।

भारत और आंतरिक पलायन

राकेश दुबे

देश में आंतरिक पलायन का सिलसिला सदियों से जारी है। 19वीं शताब्दी में राजस्थान से मारवाड़ी कारोबार करने के लिए देश के सुदूर पूर्वी हिस्से तक पहुंच गए और वीरता दिखाने में माहिर मराठा समुदाय ने पश्चिमोत्तर और दक्षिण तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। इसी तरह बंगाली, तमिल और तेलुगू समुदाय के लोग भी पूरे देश में फैल गए।

आर्थिक विकास, देश भर में शिक्षा का प्रसार और आबादी में युवाओं का अनुपात बढ़ने से पिछले कुछ वर्षों में आंतरिक पलायन बढ़ा है। कोविड महामारी के दौरान आंतरिक पलायन और भी ज्यादा उजागर हो गया। इस महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्यों में भेजने के लिए विशेष रेलगाड़ियों और बसों का प्रबंध करना पड़ा। लॉकडाउन की घोषणा के बाद शुरुआती दिनों में हजारों मजदूर अपने घर पैदल ही जाने के लिए सड़कों पर निकल पड़े। बाहों में बच्चे और सिर पर सामान की गठरी लादे लोगों को देखना असहज था और दिल को झकझोर देने वाले दु:स्वप्न जैसी स्थिति थी।

वैसे भी हमारे दिलो-दिमाग में कहीं न कहीं 'ग्रामीण समुदायवाद' की छाप है, जो मुक्त बाजार व्यवस्था और पूंजीवादी औद्योगीकरण के खिलाफ है। हममें कई लोगों के मन में ठहरे और न बदलने वाले ग्रामीण जीवन की वही पुरानी तस्वीर बसी हुई है, जो हिंद स्वराज में नजर आती है, जिसे महात्मा गांधी ने युवावस्था में लिखा। ठीक उसी तरह जैसा महात्मा गांधी के हिंद स्वराज में बताया गया है। उस सोच में पलायन तो हो ही नहीं सकता।

हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि पलायन का लोगों पर गहरा भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। खास कर जब गांव से लोग अनियोजित एवं अव्यवस्थित शहरों की तरफ रुख करते हैं तो यह असर और गंभीर हो सकता है।

शहरों में पहुंचते ही पांव टिकाने, जल आपूर्ति, साफ- सफाई, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित बुनियादी सुविधाएं हासिल करने की समस्याओं से जूझना पड़ता है। कभी-कभी ये समस्याएं काफी विकट हो जाती हैं। हमें इन शहरों में प्रवासियों के लिए व्यवस्थित जीवन-यापन का इंतजाम करने के साथ सुनियोजित शहरीकरण को बढ़ावा देना होगा। साथ ही हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि पलायन लगातार इतिहास का हिस्सा रहा है और आर्थिक विकास में तेजी के साथ इसमें भी खास तौर पर तेजी आई है। हमें इसका स्वागत करना चाहिए।

वर्ष 2005 में कुल वैश्विक आबादी का 12 प्रतिशत हिस्सा (76.3 करोड़ लोग) अपने मूल जन्म स्थान से बाहर जीवन-यापन कर रहा था। लोग अक्सर इधर से उधर जाते रहते हैं और देश से बाहर जाने के बजाय देश के अंदर यह सिलसिला अधिक दिखता है। देश का आर्थिक विकास तेज होने के साथ ही ग्रामीण से शहरी इलाकों की तरफ पलायन बढ़ जाता है। दुनिया में आज उच्च आय वाले जो भी देश हैं, उन सभी में 19वीं शताब्दी से लेकर 20वीं शताब्दी के मध्य तक तेज आर्थिक विकास के साथ ग्रामीण से शहरी इलाकों की तरफ पलायन भी खूब हुआ।

दुनिया के सभी क्षेत्रों में विकास का पहिया घूमता रहता है। क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति और दूसरों के मुकाबले उन्हें मिलने वाले अधिक फायदों के अनुरूप विकास की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। अनुसार यह सिलसिला चलता ही रहेगा। हमने अपने पुराने अनुभव के कारण हम जानते हैं कि माल ढुलाई एक समान करने की नीतियों आदि के जरिये तमाम राज्यों की औद्योगिक वृद्धि और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को एक बराबर करने के प्रयासों का किस तरह प्रतिकूल असर हो सकता है। अलग-अलग राज्य में जीएसडीपी अलग-अलग रफ्तार से बढ़ेगा। लोग तेजी से आर्थिक विकास करते क्षेत्रों की ओर जाएंगे और इस पलायन से पूरे क्षेत्र में प्रति व्यक्ति आय का स्तर बढ़ाने और इसमें समानता लाने में मदद मिलेगी।

वर्ष 2016 में चीन में 7.7 करोड़ प्रवासी मजदूर रोजगार की तलाश में एक प्रांत से दूसरे प्रांत में गए। चीन की तुलना में भारत में वर्ष 2011 से 2016 के दौरान लगभग 90 लाख लोग ही एक राज्य से दूसरे राज्य गए। भारत में राज्यों के बीच पलायन चीन ही नहीं अमेरिका की तुलना में भी काफी कम है। अमेरिका के जनगणना ब्यूरो के अनुसार अमेरिका में 2021 में राज्यों के बीच 79 लाख लोगों का पलायन हुआ। हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि अमेरिका की आबादी 34 करोड़ है, जो भारत की कुल आबादी के एक चौथाई से भी कम है।

बुजुर्गों की तुलना में युवा अधिक पलायन करते हैं और शिक्षित युवा तो और भी ज्यादा पलायन करते हैं। लिहाजा भारत की आबादी में युवाओं की हिस्सेदारी, साक्षरता में बढ़ोतरी और ठीकठाक ऊंची वृद्धि दर को देखते हुए आंतरिक पलायन की दर घटने के बजाय बढ़नी चाहिए। हमें देश में आंतरिक पलायन की दर के रुझान पर सावधानी से और नियमित रूप से नजर रखनी चाहिए। देश में आंतरिक पलायन के रुझान का '400 मिलियन ड्रीम्स' में उल्लेख किया गया है। '400 मिलियन ड्रीम्स' प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद का शोध पत्र है, जो दिसंबर 2024 में जारी हुआ है। विवेक देवराय और देवी प्रसाद मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से लिखे इस पत्र में पलायन पर व्यापक आंकड़े उपलब्ध कराए गए हैं। हमें पलायन पर पहले से मौजूद आंकड़ों के अलावा इस पत्र की मदद से नई और दिलचस्प जानकारियां भी मिलती हैं।

इस पत्र में भारतीय रेल की अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस), भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के टेलीफोन उपभोक्ता रोमिंग और जिला-स्तरीय बैंकिंग से जुड़े आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। ये सभी महत्त्वपूर्ण जानकारियां हैं क्योंकि बड़े पैमाने पर विस्तृत पलायन के आंकड़े केवल जनगणना के समय मिल पाते हैं। आखिरी बार जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी। गैर-उपनगरीय यूटीएस 2 श्रेणी यात्रियों की संख्या पर मिले नए आंकड़ों से '400 मिलियन ड्रीम्स' में निष्कर्ष निकाला गया है कि 2023 में प्रवासियों की संख्या 40.2 करोड़ (देश की आबादी की 28.9 प्रतिशत) थी। यह आंकड़ा 2011 की जनगणना में उपलब्ध कराए गए 45.6 करोड़ (कुल आबादी की 37.6 प्रतिशत) की तुलना में कम था। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन विवेक मौलिक चिंतक थे। दुर्भाग्य से वह पिछले वर्ष 1 नवंबर को हम सबको अलविदा कह गए। मुझे पूरा विश्वास है कि इस पत्र पर व्यापक चर्चा होगी, इसमें शामिल तथ्यों का हवाला भी दिया जाएगा और हो सकता है कि इसकी आलोचना भी की जाए। रिपोर्ट लिखने वाले विद्वान का इस बात के लिए आभारी रहना चाहिए कि उन्होंने हमें पलायन के साक्ष्यों पर व्यापक रूप से विचार करने और इस महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर गहराई से सोचने के लिए प्रेरित किया है।

वर्ष 2011 से 2023 के बीच आंतरिक पलायन में वास्तव में कितनी कमी आई इस पर माथापच्ची किए बिना हमें स्वीकार करना चाहिए कि देश में आंतरिक पलायन उतनी तेजी से नहीं हो रहा है, जितनी तेजी से होना चाहिए। राज्यों के बीच पलायन को बढ़ावा देने से न केवल श्रम बाजार की क्षमता बढ़ेगी बल्कि राष्ट्रीय अखंडता को भी बल मिलेगा। बेहतर रहन-सहन की खोज में सुनियोजित शहरों की तरफ ज्यादा पलायन को हमारे भविष्य के सपने के अभिन्न हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए।

नई दिल्ली विधानसभा सीट पर फंस गए हैं केजरीवाल

संतोष पाठक

कांग्रेस के इस स्टैंड ने अरविंद केजरीवाल की विधायकी पर भी तलवार लटका दिया है। केजरीवाल को अब यह डर सताने लगा है कि अब वह अपनी विधानसभा सीट %नई दिल्ली% से भी चुनाव हार सकते हैं। केजरीवाल के इस डर के पीछे ठोस कारण है।

आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल भले ही एक बार फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हो लेकिन इस बार वह बुरी तरह से फंसते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारियों ने तो आम आदमी पार्टी सरकार की वापसी पर प्रश्नचिन्ह लगा ही दिया है लेकिन इस त्रिकोणीय लड़ाई में केजरीवाल की अपनी सीट भी फंसती हुई नजर आ रही है।

अरविंद केजरीवाल इस बात को काफी पहले ही समझ गए थे, इसलिए वह लगातार इंडिया गठबंधन की एकता की बात उठाने लग गए थे। यहां तक कि केजरीवाल ने डीएमके सुप्रीमो एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, शरद पवार, अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई नेताओं से राहुल गांधी को समझाने की गुहार भी लगाई। लेकिन अरविंद केजरीवाल की असलियत से वाकिफ राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अपने आप को मजबूत करने के लिए चुनाव लड़ेगी। सीलमपुर की अपनी पहली चुनावी रैली में राहुल गांधी ने जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ आप मुखिया अरविंद केजरीवाल, पर भी जमकर निशाना साधा,उससे यह साफ हो गया कि राहुल गांधी अपनी पार्टी को समाप्त कर केजरीवाल की मदद कतई नहीं करेंगे।

कांग्रेस के इस स्टैंड ने अरविंद केजरीवाल की विधायकी पर भी तलवार लटका दिया है। केजरीवाल को अब यह डर सताने लगा है कि अब वह अपनी विधानसभा सीट %नई दिल्ली% से भी चुनाव हार सकते हैं। केजरीवाल के इस डर के पीछे ठोस कारण है। अरविंद केजरीवाल वर्ष 2013 के अपने पहले विधानसभा चुनाव में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव हराकर, पहले विधायक बने थे और फिर कांग्रेस के ही 8 विधायकों के समर्थन से पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। बताया तो यहां तक जाता है कि 2013 में शीला दीक्षित को चुनाव हराने के लिए कांग्रेस के कई नेताओं ने भी अरविंद केजरीवाल की मदद की थी। लेकिन दिल्ली में पार्टी को फिर से मजबूत बनाने के मिशन में जुटे राहुल गांधी ने इस बार नई दिल्ली विधानसभा सीट से केजरीवाल के खिलाफ स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उतार कर लड़ाई को त्रिकोणीय और दिलचस्प बना दिया है।

अगर आप 2020 के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को मिले वोटों की तुलना 2015 के विधानसभा चुनाव से करेंगे तो आपको यह समझ आ जाएगा कि केजरीवाल को अपनी ही विधानसभा सीट पर डर क्यों लग रहा है ? वर्ष 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप मुखिया अरविंद केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे। लेकिन वर्ष 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री होने और कुल मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी होने के बावजूद केजरीवाल को मिले वोटों में भयानक गिरावट आ गई थी। 2015 के चुनाव में जिन केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे, उन्ही केजरीवाल को 2020 के चुनाव में 46,758 वोट ही मिल पाए थे।

पिछली बार यानी 2020 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल की जीत का अंतर 21,697 था लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को सिर्फ 3,220 मत ही मिल पाए थे। इस बार शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं और अगर वह आखिर तक पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ पाते हैं तो फिर केजरीवाल के लिए मुसीबतें खड़ी हो जाएगी। क्योंकि इस बार दिल्ली के एक और पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे प्रवेश वर्मा भी नई दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार के तौर पर प्रवेश वर्मा और कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर संदीप दीक्षित के मजबूती से चुनाव लड़ने की वजह से वोटों का बिखराव होगा,जिसका सीधा-सीधा नुकसान अरविंद केजरीवाल को ही होगा। इसलिए आम आदमी पार्टी के तमाम नेता और स्वयं अरविंद केजरीवाल भी अंदर से डरे हुए हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों को देनी होगी राहत

प्रह्लाद सबनानी

गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है।

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मध्यमवर्गीय परिवारों की प्रमुख भूमिका रहती है। देश में ही निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों की मांग इन्हीं परिवारों के माध्यम से निर्मित होती है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवार जब मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल होते हैं तो उन्हें नया स्कूटर, नया फ्रिज, नया एयर कंडिशनर, नया टीवी एवं इसी प्रकार के कई नए पदार्थों (उत्पादों) की आवश्यकता महसूस होती है। साथ ही, नए मकानों की मांग भी मध्यमवर्गीय परिवारों के बीच से ही निर्मित होती है। इसीलिए यह कहा जाता है कि जिस देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेजी से बढ़ती है उस देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता है। भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विशेष रूप से उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली कम्पनियों का इस संदर्भ में आंकलन बेहद चौंकाने वाला है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री एवं लाभप्रदता में भी कमी दिखाई दी है।

गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों के

खातों में सहायता राशि सीधे ही जमा की जा रही है। विभिन्न राज्यों द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहिना योजना आदि माध्यम से महिलाओं के खातों में सीधे ही राशि जमा की जा रही है। इसके साथ ही इन परिवारों के सदस्यों को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होने लगे हैं। जिससे इस श्रेणी के परिवारों में से कई परिवार अब मध्यमवर्गीय श्रेणी के परिवारों में शामिल हो रहे हैं।

केंद्रीय श्रम मंत्री ने हाल ही में भारतीय संसद को बताया है कि देश में पिछले 10 वर्षों में रोजगार उपलब्ध नागरिकों की संख्या 36 प्रतिशत बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 64.33 करोड़ के स्तर पर आ गई है, यह संख्या वर्ष 2014-15 में 47.15 करोड़ के स्तर पर थी। वर्ष 2024 से वर्ष 2014 के बीच, 10 वर्षों में रोजगार में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी अर्थात इस दौरान केवल 2.9 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हो सकीं थी, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 17.19 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हुई हैं, यह लगभग 6 गुना से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। पिछले केवल एक वर्ष अर्थात वित्तीय वर्ष 2023-24 के बीच ही देश में लगभग 4.6 करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। कृषि क्षेत्र में वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच कृषि के क्षेत्र में रोजगार में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। इसी प्रकार विनिर्माण के क्षेत्र में भी वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में केवल 6 प्रतिशत दर्ज हुई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। सेवा के क्षेत्र में तो और भी अधिक तेज वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच सेवा के क्षेत्र में रोजगार 25 प्रतिशत की दर से बढ़ा था, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस सबका असर बेरोजगारी की दर में कमी के रूप में देखने में आया है। देश में बेरोज़गारी की दर वर्ष 2017-18 के 6 प्रतिशत से वर्ष 2023-24 में घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। इसका सीधा असर कामकाजी आबादी अनुपात पर भी पड़ा है जो वर्ष 2017-18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 58.2 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सबसे अच्छी स्थिति तो संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे नागरिकों की संख्या में वृद्धि से बनी है। क्योंकि संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं को नियोक्ताओं द्वारा कई प्रकार की अतिरिक्त सुविधाएं केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी नियमों के अंतर्गत प्रदान की जाती है। संगठित क्षेत्र में शामिल होने वाले युवाओं (18 से 28 वर्ष के बीच की आयु के) की संख्या में सितम्बर 2017 से सितम्बर 2024 के बीच 4.7 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई है, ये युवा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से भी जुड़े हैं।

यदि किसी देश में मुद्रा स्फीति की दर लगातार लम्बे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहे एवं नागरिकों की आय में वृद्धि दर मुद्रा स्फीति में हो रही वृद्धि दर से कम रहे तो इसका सीधा असर मध्यमवर्गीय परिवार के बचत एवं खर्च करने की क्षमता पर पड़ता है। यदि मध्यमवर्गीय परिवार के खर्च करने की क्षमता कम होगी तो निश्चित ही बाजार में विभिन्न उत्पादों की मांग भी कम होगी इससे विभिन्न कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री भी कम होगी। यह स्थिति हाल ही के समय में भारत की अर्थव्यवस्था में दृष्टिगोचर है। अत: वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट से यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार द्वारा इस प्रकार के प्रयास किए जाएंगे जिससे मुद्रा स्फीति की दर देश में कम बनी रहे एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में वृद्धि हो। साथ ही, मध्यमवर्गीय परिवारों की आय पर लगाए जाने वाले आय कर में भी कमी की जानी चाहिए। बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों पर ब्याज दरों में कमी की घोषणा द्वारा भी मध्यमवर्गीय परिवारों को कुछ हद तक राहत पहुंचाई जा सकती है। ऋण पर ब्याज दरों में कमी करने से मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा ऋण खातों में जमा की जाने वाली मासिक किस्त की राशि में कमी होती है और उनकी खर्च करने की क्षमता में कुछ हद तक सुधार होता है। मध्यमवर्गीय परिवारों के हित में यदि उक्त उपाय नहीं किया जाते हैं तो बहुत सम्भव है कि यह मध्यमवर्गीय परिवार एक बार पुन: कहीं गरीबी रेखा के नीचे नहीं खिसक जाय। अत: वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट के माध्यम से मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान करने का भरपूर प्रयास किया जाना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

अभियान के दौरान बच्चों एवं वरिष्ठों का स्वास्थ्य परीक्षण करना सुनिश्चित करें: कलेक्टर

मंडला। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने निर्देशित किया कि नेत्र ज्योति अभियान के दौरान प्रत्येक गांव, हाट-बाजारों तक पहुंचते हुये 6 से 18 वर्ष तक के बच्चों और 45 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण करना सुनिश्चित करें।स्वास्थ्य विभाग का अमला पूरी संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि जिला तथा विकासखण्ड स्तर के अधिकारी फील्ड विजिट करते हुये अभियान के तहत संचालित गतिविधियों की मॉनीटरिंग करें। कलेक्टर ने कहा कि आयुष्मान अभियान के तहत जिले में 70 वर्ष से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान कार्ड बनाने के अभियान को मिशन मोड में चलाएं। उन्होने कहा कि चिन्हांकन करते हुए 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाएं। प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित करते हुए लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाएं। योजना भवन में सम्पन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर आशुतोष ठाकुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के.सी. सरोते सहित संबंधित उपस्थित थे।

शासन के निर्देश अनुसार 14 से 28 तक आनंद उत्सव कार्यक्रम होंगे आयोजित

सिरोंज नगरपालिका परिषद द्वारा शासन के निर्देश अनुसार 14 जनवरी से 28 जनवरी तक आनंद उत्सव कार्यक्रम किया जा रहा है जिसमें 14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन गणेश की अथाई गणेश मंदिर से भजन कीर्तन नृत्य कर महिला ने आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन कर आनंद उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं तीली और गुड़ के लड्डू का महिलाओं को वितरण किया गया जिसमें कम से कम 100 से अधिक महिला उपस्थित रहे यह आनंद उत्सव कार्यक्रम 28 जनवरी 2025 तक प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे यह समस्त कार्यक्रम रोहित सिंह तोमर उपयंत्री एवं ज्योति दुबे के मार्गदर्शन में होंगे आयोजन।

पूर्व केंद्रीय मंत्री यादव का जन्मदिन आष्टा में मनाया

आष्टा। पूर्व केंद्रीय मंत्री, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्वअध्यक्ष अरुण यादव का जन्मदिन आष्टा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस अवसर पर सिविल हॉस्पिटल आष्टा में फल वितरण का आयोजन किया गया कार्यक्रम का आयोजन राजेश यादव पूर्व सरपंच द्वारा किया गया इस अवसर पर कमल सिंह चौहान वरिष्ठ कांग्रेस नेता भैया मियां पूर्व जनपद के उपाध्यक्ष सोभाल सिंह मुगली कांग्रेस नेता बृजेश पटेल विनीत सिंगी ,पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष इदरीस मंसूरी धर्मेंद्र सिंह ठाकुर शेख नईमुद्दीन चंद्रर् सिंह ठाकुर मोतीलाल मालवीय लाल सिंह गुणवान संदीप ठाकुर कृपाल सिंह आदि लोग मौजूद थे।

आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- मंगलवार को अध्यक्ष नगर परिषद औबेदुल्लागंज लक्ष्मी सोनू चौकसे एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सोनाली शर्मा नगर परिषद औबेदुल्लागंज के द्वारा प्राप्त आदेश अनुसार कार्यालय नगर परिषद औबेदुल्लागंज नगरीय क्षेत्र में दिनांक 14 जनवरी 2025 से 28 जनवरी 2025 तक आनंद उत्सव का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है मकर संक्रांति से प्रारंभ आयोजन कार्यक्रम जिसमें रंगोली खेलकूद प्रतियोगिताएं चित्रकला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे विभिन्न कार्यक्रम कराये जा रहे हैं।

घटना स्थल पर कार छोड़ भागे बदमाश,कार चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- नगर के वार्ड क्रमांक 12 शिव मंदिर क्षेत्र से मंगलवार -बुधवार दरमियानी रात घर के बाहर खड़ी कार अज्ञात चोर चुरा कर ले गए। बता दें कि चोर अन्य वहान में सवार होकर आए थे। 10 मिनट के भीतर चोरों द्वारा कार को चुरा लिया गया। इतना ही नहीं अगले पांच मिनट के भीतर चोरों ने कार को अनलॉक कर दिया। और कार को लेकर चले गए कार मालिक ने इसकी सूचना ओबेदुल्लागंज थाने में दर्ज कराई हैं। बता दें कि कार चोरी की वारदात सीसीटीवी में भी कैद हुई हैं। वही सुबह किसी ने थाना प्रभारी भरत प्रताप सिंह को बताया की कार सांवरिया ढाबे पर हाईवे पर एक्सीडेंट होकर खड़ी है। उन्होंने मौके पर पहुंच कर। मुआयना किया और आगे की कार्यवाही शुरू की कार मालिक पदम सिंह चौहान ने बताया रेनाट क्विट एमपी 09 सी डब्बू 6476 रोजाना की तरह घर के बाहर खड़ी थी रात के लगभग 1:30 से 2:00 बजे के बाद अज्ञात चोरों ने कार चुरा कर ले गए जिसकी खबर सुबह हमें मिली कि नेशनल हाईवे 46 पर एक्सीडेंट की हालत में खड़ी है। जाकर देखा तो कार हमारी थी पुलिस जांच कर रही है

मिलावट से मुक्ति अभियान वाहन की चलित लैब में पनीर का सैंपल फेल होने पर भुरू डेयरी का पनीर नष्ट कराया

दूध व घी एवं किराना दुकानों से सैंपल लिए , नगर में मची खलबली

आष्टा। मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग खाद्य सुरक्षा प्रशासन की मिलावट से मुक्ति अभियान वाहन की चलित लैब ने नगर के अलीपुर एवं बाईपास पर पहुंच कर सैंपल लिए। अलीपुर की भुरू। डेयरी पर पनीर का सैंपल जांच करने पर फैल होने पर जांच टीम ने नष्ट कराया। वहीं दूध एवं घी का सैंपल औषधि निरीक्षक श्रीमती कीर्ति मालवीय ने लिया।दो किराना दुकानों से सैंपल लिए गए।यह खबर नगर में फैली तो दूध डेयरी एवं किराना दुकानदारों में हड़कंप व खलबली मची।

खाद्य सुरक्षा निरीक्षक श्रीमती कीर्ति मालवीय एवं मिलावट से मुक्ति अभियान वाहन चलित लैब के अभिषेक तिवारी ने बुधवार की दोपहर को अलीपुर में पहुंच कर भुरू दूध डेयरी पर पहुंच कर पनीर का सैंपल लिया और तत्काल वाहन की लैब में जांच में फैल होने पर उक्त देरी पर रखा पूरा पनीर नष्ट कराया वही औषधि निरीक्षक श्रीमती कीर्ति मालवीय ने दूध एवं घी का सैंपल भी लिया है जो भोपाल के लैब में जांच के पश्चात स्पष्ट होगा कि इसमें मिलावट तो नहीं है।वही समीप की दीपांश किराना दुकान एवं बाईपास पर स्थित शिवम किराना पर भी सैंपल लिए गए। जांच के दौरान औषधि निरीक्षक श्रीमती कीर्ति मालवीय, चलित लैब के अभिषेक तिवारी,शिवाजी राव एम एफ टी एल वाहन चालक भोपाल एवं पटवारी शिवचरण रणकोशल उपस्थित थे।

थाना महाराजपुर पुलिस ने 35 लीटर अंग्रेजी व देशी शराब जब्त की

लक्ष्मीकांत बैरागी निवासी महाराजपुर के पास से शराब जप्त किया

मण्डला--जिला मुख्यालय के नजदीकी उपनगर महाराजपुर में जप्ती किया गया 50 पाव गोवा व्हिस्की अंग्रेजी शराब कीमती 5500 रूपये व 147 पाव देशी प्लेन मदिरा शराब कीमती 10290 रूपये जो कुल शराब 35.460 लीटर व कुल कीमती 15790 रूपये।

घटना इस प्रकार है कि महाराजपुर संगम घाट मेला भ्रमण दौरान प्राप्त सूचना पर लक्ष्मीकांत बैरागी निवासी संगम घाट बूढ़ी माई वार्ड में अपनी किराना दुकान के सामने अपने कब्जे मे बिक्री के आशय से अवैध अंग्रेजी शराब व देशी प्लेन शराब रखा हुआ था। जिस पर थाना महाराजपुर पुलिस द्वारा कार्यवाही के दौरान चार कार्टून जिसमे एक कार्टून मे 50 पाव गोवा व्हिस्की अंग्रेजी शराब प्रत्येक 180 एमएल का मात्रा 09 लीटर कीमती 5500 रूपये व अन्य 3 कार्टूनो मे मिलाकर कुल 147 पाव देशी प्लेन मदिरा प्रत्येक पाव 180 एमएल का शराब की मात्रा 26.460 लीटर कीमती 10290 रूपये जो कुल शराब 35.460 लीटर व कुल कीमती 15790 रूपये की रखे मिला जिसे गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया गया।आरोपी के विरुध्द अपराध क्र. 21/2025 धारा 34 (ए) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

पुलिस विभाग द्वारा किए गए इस कार्यवाही में शामिल निरीक्षक ममता परस्ते थाना प्रभारी महाराजपुर, उपनिरी.योगेन्द्र चौहान,प्र.आर.रोशन नेगी, आर. महावती मसराम,आर.प्रियांश पाठक व अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

नवयुवक मंडल समिति बबचिया द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा पूर्णाहुति महाप्रसाद वितरण के साथ हुई संपन्न

बैरसिया।। श्री सिद्धेश्वर आश्रम बबचिया में संत श्री 108 श्री जगदीश त्यागी जी महाराज जी के सानिध्य में चल रही सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आज बुधवार को पूर्णाहुति, विश्राम और महाप्रशादी वितरण के साथ सम्पन्न हुई। सिद्धेश्वर धाम सिद्ध घाट पर कथा में यह 26 वें वर्ष का सफ़ल आयोजन रहा है। श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन पर कथा वाचक सुश्री दीप्ति जी द्वारा सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कथा का श्रवण कराया कथा सुन सभी उपस्थित श्रद्धालु भक्ति भाव से विभोर हो उठें, कथा सुनते सुनते आँखें नम हो गई कथा वाचक सुश्री दीप्ति जी ने भागवत कथा के फल का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा सुनने से हिंदू धर्म के कर्मकांड, नियम, दर्शन, ब्रह्मांड, सृष्टि निर्माण, जन्म-मरण, पुनर्जन्म, सप्तलोक, प्रलय, आत्मा, परमात्मा, काल, इतिहास और भविष्य का संक्षिप्त ज्ञान हो जाता है। भागवत कथा सुनने से पापों से मुक्ति मिलती है और मरने के बाद जातक मोक्ष को प्राप्त करता है। कथा के बाद पूर्णाहुति के अवसर पर प्रसादी वितरण कर वैदिक ब्राह्मणों के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ श्री महालक्ष्मी महायज्ञ का ध्वज रोपण किया गया। कथा को सुनने के लिए दूरदराज के श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे इसके अलावा बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक, सामाजिक राजनैतिक जनसमूह भी बड़ी संख्या में सिद्धेश्वर धाम सिद्ध घाट बबचिया में उपस्थित रहे ।श्रीमद भागवत कथा के समापन के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री नव नियुक्त जिलाध्यक्ष श्री तीरथ सिंह मीणा जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि अध्यक्ष प्रतिनिधि कुबेर सिंह गुर्जर,प्रदेश कार्य समिति सदस्य गोपाल सिंह मीणा नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौर इत्यादि ने उपस्थित होकर कथा का श्रवण किया एवं श्री मद्भागवत जी की आरती की ।

माटी कलां बोर्ड ने किया प्रशिक्षण का शुभारंभ

बैरसिया। मप्र माटी कलां बोर्ड की ओर से बैरसिया में प्रजापति समाज के लोगों के लिए 45 दिवसीय प्रशिक्षण का बुधवार को शुभारंभ किया गया। शुभारंभ मप्र माटी कलां बोर्ड के अध्यक्ष रामदयाल प्रजापति और बैरसिया विधायक विष्णु खत्री ने किया। कार्यक्रम में विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि हमारी सरकार हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आप लोगों को मेरे क्षेत्र में आपके द्वारा निर्मित मिट्टी की सामग्री को बेचने में यदि कोई परेशानी हो तो आप मुझे बताए। मैं आपको कोई परेशानी नहीं आने दूंगा। आप लोग हमारे क्षेत्र में लगने वाले हाट बाजार में दुकानें लागये। जिसमें सोहाया, रतुआ और रुनाह जैसे अनेक गांवों में हाट बाजार के लिए शैड और चबूतरे बने हुए है। आप लोग वहां जाकर भी दुकान लगा सकते है। कार्यक्रम में मप्र माटी कलां बोर्ड के अध्यक्ष रामदयाल प्रजापति ने कहा कि हमें सरकार से ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। केवल हमें जल स्त्रोतों के पास भूमि और पर्याप्त मिट्टी चाहिए। इसके बाद तो हमारे लोग स्वयं ही रोजगार से लग जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी केंद्र और प्रदेश की सरकार ने हमारी समाज की चिंता की है। यही कारण है कि सरकार द्वारा हमें टेरा कोटा दिया जा रहा है। इससे हमारे मिट्टी के बर्तनों को लोग लाइफ मिलती है। प्रशिक्षण में आप सभी को यह सिखाया जाएगा। आज हमारी समाज के लोगों द्वारा बनाये गए कुल्हड़ जैसी कई चीजों की बाजार में मांग है।

इच्छापूर्ति हनुमान मंदिर के निर्माण कार्य का हुआ भूमि पूजन

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)-बस स्टैंड पर सभी की मनोकामना पूर्ण करने वाले इच्छा पूर्ति हनुमान मंदिर के निर्माण कार्य का भूमि पूजन बुधवार को किया गया सुबह 10:00 बजे सुंदरकांड का पाठ हुआ इस अवसर पर मनोहर पंडित, संतोष शास्त्री, राजेंद्र शास्त्री ने विधि- विधान से पूजा कर भूमि पूजन कराया इस अवसर पर रमेश गौर, जेपी शर्मा, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष राजेश खटीक, सोनू चौकसे, महेश जैन, कैलाश डब्बू नागर, अशोक जायसवाल, रामेश्वर नागर, पंकज यादव, जीतू नेमा, राजेंद्र गुड्डू साहू, बबलू वैष्णव, रजनीश नागर, निलेश वैष्णव ,मनीष साहू, पप्पू खन्ना, सुनील सेरिया, एवं निर्माण समिति के अध्यक्ष सुभाष नेमा आदि लोग शामिल हुए

कृषि उपज मंडी में विधायक विष्णु खत्री ने किया विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि पूजन

बैरसिया। कृषि उपज मंडी परिसर में बुधवार एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बैरसिया विधायक विष्णु खत्री और मप्र माटी कलां बोर्ड के अध्यक्ष रामदयाल प्रजापति ने विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया। इससे आने वाले समय में कृषि उपज मंडी परिसर में किसानों को कई सुविधाएं मिलने लगेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान जन समूह को विधायक विष्णु खत्री ने संबोधित करते कि हमारे क्षेत्र की कृषि उपज मंडी सर्वश्रेष्ठ उपज मंडियों में से एक है जहां सभी प्रकार की व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं किसी को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर मंडी के रखरखाव पर ध्यान रखा जाता है ताकि हमारे किसान भाइयों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो इस अवसर पर कृषि उपज मंडी के सभी कर्मचारी अधिकारी एवं किसान जन समूह मौजूद रहे

भाजपा के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने किए श्री जागेश्वर नाथ और श्री बड़े बाबा के दर्शन

जिला भाजपा कार्यालय में आज होगा नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष का स्वागत

दमोह । भारतीय जनता पार्टी दमोह के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने नियुक्ति पर सर्वप्रथम बुधवार को दीनदयाल पार्क स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया उसके पश्चात श्री जागेश्वर नाथ प्रभु के दर्शन और जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया तदुपरांत कुण्डलपुर स्थित श्री बडे बाबा के दर्शन किए दर्शन की इस कडी में निवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष के साथ निर्वतमान जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह, जिला उपाध्यक्ष संजय सेन, अमित बजाज, जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राजू ठाकुर, बांदकपुर मंडल अध्यक्ष बृजेश सिंह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रिंस जैन, रिंकू गोस्वामी सहित बडी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

जिला भाजपा कार्यालय में आज होगा नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत भाजपा के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत दिनांक 16 जनवरी दिन गुरूवार को जिला कार्यालय में दोपहर 12 बजे होगा। स्वागत कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी, वरिष्ठ नेतागण, सभी मंडलों के अध्यक्ष मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों एवं संपूर्ण जिले के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्त्ता की उपस्थिति रहेगी।

हर मंगलवार विधायक, कलेक्ट्रेट एवं महापौर नपानि की जन सुनवाई में होंगे शामिल

खंडवा । खंडवा लोकसभा में तो समस्याओं का अंबार लगा हुआ है, ऐसे में विधायक खंडवा एवं महापौर ने आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण को लेकर आगामी जनसुनवाई में शामिल होने का निर्णय लिया है ताकि जनता की मूलभूत समस्याओं का त्वरित निपटान हो सके, काफी समय से खंडवा जनसुनवाई में आने वाली जनता के समस्याओं का निराकरण ना के बराबर हो रहा है जिससे जन सुनवाई में आने वाली जनता असंतुष्ट नजर आ रही है।

आम जनता की समस्याओं का बेहतर निराकरण निकालने के हेतू खंडवा महापौर अमृता अमर यादव एवं आयुक्त नपानि ने आगामी मंगलवार को नगर निगम परिसर में ही जनसुनवाई के लिए तैयारियां लगभग पूरी कर ली है, वह खंडवा विधायक कंचन मुकेश तन्वे ने भी विधानसभा में व्याप्त समस्याओं के हल हेतू प्रशासन की हर मंगलवार को होने वाली जन सुनवाई में दो घंटे शामिल होने का निर्णय लिया है। वर्तमान में खंडवा के विधानसभा से लेकर नगर पालिका निगम क्षेत्र में विकास के निर्माण कार्य तो चल रहे हैं साथ ही आम जनता अपने मूलभूत समस्याओं को लेकर भी आए दिन सैकड़ो की संख्या में कलेक्ट्रेट कार्यालय में गुहार लगाते दिखाई देते हैं, ऐसे में क्षेत्र के सर्वोत्तम कार्यों पर स्वत प्रश्न चिन्ह खड़ा हो जाता है।

खंडवा की महापौर अमृता यादव और खंडवा विधायक कंचन मुकेश तन्वे ने जनता को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत देने हेतु जहां महापौर ने आयुक्त नपानि को निगम में जनसुनवाई शुरू करने के जहां आदेश दिए हैं वहीं विधायक खंडवा ने कलेक्ट्रेट में निरंतर चल रही जनसुनवाई में शामिल होने और ज्यादा से ज्यादा आम नागरिकों के समस्या निवारण करने हेतु हर मंगलवार को 2 घंटे जनसुनवाई में बैठने का निर्णय लिया है।

भाजपा कार्यालय पर मत्था टेक ग्रहण किया जिलाध्यक्ष का पदभार

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रवि पांडे का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य अभिनंदन

शाजापुर । भारतीय जनता पार्टी शाजापुर के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रवि पांडे का भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। दोपहर जब जिले के समस्त जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के साथ जिलाध्यक्ष की उत्सव यात्रा जिला कार्यालय पहुंची तो जिले भर से आये कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों तथा आतिशबाजी के साथ नवनियुक्त जिलाध्यक्ष की भव्य आगवानी की तथा पुष्प वर्षा से उनका स्वागत किया।

सभी प्रमुख जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारियों के साथ-साथ जिले भर से आये कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का फूल मालाओं तथा अंग वस्त्रों के साथ अभिनंदन किया तथा उनको शुभकामनाएं दीं। मंच पर उपस्थित समस्त माननीय जनप्रतिनिधियों तथा पदाधिकारियों ने अपने आशीर्वचनों में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को शुभकामनाएं दी तथा उनके आगामी उत्तम कार्यकाल के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों ने जिलाध्यक्ष को हर तरह के सहयोग के लिए उनके साथ खड़े रहने का वचन दिया।

अपने प्रथम जिलाध्यक्षीय उद्बोधन में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रवि पांडे ने अपने भावुक अंदाज में कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया तथा कार्यकर्ताओं से मिले स्नेह के लिये उनको नमन किया। अपने वक्तव्य में जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिलाध्यक्ष बनने की सूचना मिलते ही मैं स्वयं स्तब्ध था एवं एक क्षण के लिए विश्वास ही नहीं हुआ यह सत्य है। जिलाध्यक्ष पांडे ने कहा कि ये भारतीय जनता पार्टी ही है जो कार्यो का मूल्यांकन कर कार्यकर्ता को सम्मान देती है। विभिन्न संगठनिक दायित्वों के माध्यम से ही मुझे कार्यानुभव मिला तथा जिला महामंत्री के रूप में जिला स्तर पर मेरी पहचान बनी, मैंने संगठन के दिये समस्त दायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन करने का प्रयास किया। मेरे कार्यों से पार्टी का संगठन संतुष्ट रहा होगा तभी पार्टी ने मुझे आज जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। जो भी दायित्व हमें संगठन दे उसका निर्वाह निष्ठा से किया जाय? तो पार्टी उसका अवलोकन भी करती है तथा उसका प्रतिफल भी प्राप्त होंगे। जिलाध्यक्ष पांडे ने कहा कि आप सभी वरिष्ठों तथा समस्त कार्यकर्ताओं के सहयोग तथा दिशानिर्देश पर ही ये संगठन काम करेगा तथा आपके आशानुरूप ही जिले का संगठन प्रदेश में अपनी छवि उत्कृष्ट बनाने में सफल होगा। हमारे बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता का सम्मान होगा तथा कार्य के? आधार पर उनको आगे आने का अवसर अवश्य प्राप्त होगा। हम? संगठन की गतिविधियों को बूथ? स्तर? तक ले जायेंगे तथा जिले के? समस्त बूथों को हम सशक्त बनाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखेंगे ।

जिला कार्यालय के सभागार में निवर्तमान जिलाध्यक्ष अशोक नायक, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया, शाजापुर विधायक अरुण भीमावद, कालापीपल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अंबाराम कराड़ा, पूर्व विधायक विजेंदरसिंह सिसोदिया, जसवंत सिंह हाड़ा, बाबूलाल वर्मा, फूलसिंह मेवाडा, सीसीबी पूर्व चेयरमेन शिवनारायण पाटीदार, शाजापुर नपा अध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष संतोष जोशी, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती केटल पटेल, भाजयुमो जिलाध्यक्ष श्याम टेलर मंचसिन रहे। इस अवसर पर जिले भर से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवशी ने किया तथा आभार ग्रामीण मंडल अध्यक्ष हरिओम गोठी ने माना।

स्वर्णकार समाज नैनपुर का हुआ गठन, अजय सोनी बनाये गए अध्यक्ष

नैनपुर - नगर के संकट मोचन स्वर्णकार समाज नैनपुर की रेलवे भवन में बैठक आहूत की गई। बैठक में नगर के सभी स्वर्णकार समाज बंधु उपस्थित थे। जिसमें सभी की सहमति से अजय सोनी को समाज के अध्यक्ष के लिए मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष पद के लिए हीरा सोनी एवम राजकुमार सोनी ओर सचिव के लिए ओम प्रकाश को मनोनीत किया गया। डॉ आनंद सोनी कोषाध्यक्ष के लिए चुने गए। संरक्षक के रूप में परसराम सोनी, माणिक चंद सोनी, रेवा सोनी को चुना गया। समाज के सभी सदस्यों द्वारा पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की गई। वही संकट मोचन स्वर्णकार समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो के चयन के बाद समाज के पदाधिकारीयो एवम सदस्यों के द्वारा मकर संक्रांति के पावन पर्व पर बुधवारी बाजार स्थित हनुमानगढ़ में प्रसाद चढ़ाया गया एवं वितरण कर आगे की रणनीति तैयार की गई

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम SHELENDRA NARAYAN VISHWAKARMA, था जो कि अब परिवर्तित हो कर मेरा नया नाम SHELENDRA VISHWAKARMA SO KAILASH NARAYAN VISHWAKARMA हो गया है अतः भविष्य में मुझे मेरे नये नाम SHELENDRA VISHWAKARMA S/O KAILASH NARAYAN VISHWAKARMA को नाम से जाना व पहचाना जाये

पता: कनकपुरी, भोपाल नाका, सीहोर, इंगलिशपुरा, (म.प्र) 466001

सोशल मीडिया से

ऑप्टिमस ने भारत में ड्रोन विनिर्माण को गति देने के लिए ताइवान की कुनवे टेक्नोलॉजी के साथ साझीदारी की

नई दिल्ली,। भारत में दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के अग्रणी समूह ऑप्टिमस इन्फ्राकॉम लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी ऑप्टिमस अनमैन्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (ओयूएस) ने ताइवन की ड्रोन विनिर्माण कंपनी के साथ साझीदारी की आज घोषणा की जिसके तहत वह ताइवान की कंपनी की व्यापक रेंज के ड्रोन्स का भारत में विनिर्माण करेगी। ओयूएस भारतीय बाजार के लिए कुछ छांटे गए उत्पादों का विनिर्माण, बिक्री और उनका स्थानीयकरण करेगी। इस साझीदारी के तहत कुनवे के विस्तृत उत्पाद पोर्टफोलियो का मामला दर मामला आधार पर विनिर्माण एवं बिक्री का विकल्प खुला है। यह घोषणा इस लिहाज से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऐसे समय में की गई है जब भारत सरकार ने 2025 को भारतीय रक्षा क्षेत्र के लिए सुधार का वर्ष घोषित किया है। यह साझीदारी दोनों कंपनियों की मेक इन इंडिया विजन में योगदान करने की प्रतिबद्धता परिलक्षित करती है और ओयूएस भारत के नोएडा में अपनी अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयों से कुनवे के ड्रोन उत्पादों का विनिर्माण करने में अपनी स्थानीय विशेषज्ञता और ढांचागत सुविधाओं का उपयोग करेगी। ऑप्टिमस इन्फ्राकॉम के चेयरमैन अशोक गुप्ता ने कहा, हमें भारत में ड्रोन विनिर्माण की अपनी स्थानीयकरण की यात्रा को और आगे ले जाने के लिए कुनवे के साथ साझीदारी करते हुए प्रसन्नता है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एसरी इंडिया ने कुंभ वेबऐप पेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। महाकुंभ मेले में स्थान खोजने में श्रद्धालुओं की मदद और उन्हें समृद्धशाली अनुभव प्रदान करने के लिए एसरी इंडिया ने कुंभलोकेटर डाट इन नाम से एक वेबऐप लांच किया है। यह वेबऐप हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध है। जीआईएस आधारित यह वेबऐप मेला में ठहरने, स्नान घाटों, पार्किंग, सड़कों (लाइव ट्रैफिक के साथ), मौसम अपडेट, प्रवेश और निकासी बिंदुओं, खोया पाया केंद्रों, ई रिक्शा स्टैंड, पुलिस थानों, अग्निशमन केंद्रों, अस्पतालों आदि के बारे में सूचना उपलब्ध कराता है। महाकुंभ मेला उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। नदी के किनारे 4,000 हेक्टेयर विशाल क्षेत्र में फैले इस मेले में दुनियाभर से 40 करोड़ से अधिक लोगों के आने का अनुमान है। महाकुंभ मेले के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा के दिन गंगा और संगम में डुबकी लगाने के लिए 1.65 करोड़ से अधिक लोग इस मेले में आए। यूज़र्स इस ऐप के जरिए आयोजनों, कार्यक्रमों और अन्य गतिविधियों के स्थान को चिह्नित कर सकते हैं। यह महत्वपूर्ण मंदिरों और प्रयागराज के अन्य पर्यटक स्थलों को दिखाने के लिए आर्कजीआईएस स्टोरी मैप्स भी प्रदर्शित करता है।

पावना इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एसआईपीसीओटी इंडस्ट्रियल पार्क में दो प्लॉट्स के लिए 99 साल का लीज़ समझौता किया

मुंबई, एजेंसी। पावना इंडस्ट्रीज लिमिटेड जो प्रतिष्ठित ओईएम के लिए विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले ऑटोमोटिव पार्ट्स के निर्माण के कारोबार में संलग्न एक प्रमुख खिलाड़ी है, ने तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले (बी जिला) में स्थित एसआईपीसीओटी इंडस्ट्रियल पार्क, शूलागिरी (यूचर मोबिलिटी पार्क) में दो प्लॉट्स को 99 साल के लीज़ पर लेने की घोषणा की है। इनकी कुल क्षेत्रफल 4.33 एकड़ है और इसका मूल्य 7.36 करोड़ रुपये है। इससे पहले, बोर्ड ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अपनी अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी थी। परिणाम पर टिप्पणी करते हुए स्वप्निल जैन, प्रबंध निदेशक, पावना इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा, हम वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन की घोषणा करने के लिए प्रसन्न हैं, जो हमारे विशेषज्ञ रणनीतिक पहलों, मजबूत बाजार स्थिति और ऑपरेशनल लेक्सिबिलिटी का परिणाम है। जैसे-जैसे भारत ऑटो घटक सोर्सिंग के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, पावना इंडस्ट्रीज इस गति से लाभान्वित होने के लिए अच्छी स्थिति में है।

अमेजन ग्रेट रिपब्लिक डे सेलः अमेजन बिजनेस पर 2 लाख से ज़्यादा अनोखे प्रोडक्ट पर मिल रही 70 प्रतिशत तक की छूट

बेंगलुरु, एजेंसी। नया साल अमेजन बिजनेस ग्राहकों के लिए बचत का शानदार मौका लेकर आया है! अमेजन ग्रेट रिपब्लिक डे सेल के दौरान, बिजनेस और कॉर्पोरेट ग्राहक लैपटॉप, हेडफ़ोन, रूम हीटर और किचन अप्लायंसेज जैसे विभिन्न उत्पादों पर शानदार डील का लाभ उठा सकते हैं। बी2बी ग्राहक एप्पल, एसर, आसुस, डेल, एचपी लेनोवो, अमेजन बेसिक्स, बोट, बोल्ट, फायर-बोल्ट, जेबीएल, नाइस, सैमसंग, सोनी, शाओमी, जेब्रोनिक्स जैसे ब्रांड पर बेहतरीन डील का फायदा उठा सकते हैं। रूम हीटर पर 70 प्रतिशत तक की छूट, साथ ही दो या उससे ज़्यादा की खरीद पर 7 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट। इलेक्ट्रिक केटल और पानी की बोतलों पर 50 प्रतिशत तक की छूट, दो या उससे ज़्यादा की खरीद पर 9 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट। कारोबारी अमेजन बिजनेस पर विक्रेताओं से रोमांचक डील्स के साथ लोकप्रिय उत्पादों की खरीद कर सकते है।

महाकुंभ मेले का आनंद उठाएँ फोनपे के साथ

मुंबई, एजेंसी। 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ मेले के लिए फोनपे ने एक खास कैंपेन की शुरुआत की है। कैंपेन में कई मजेदार चीजों के साथ शामिल है- महाकुंभ का महाशगुन ऑफर, जिसमें प्रयागराज शहर में पहली बार फोनपे उपयोग करने वाले यूजर अपने पहले लेनदेन पर 144 रुपए के फ्लैट कैशबैक का लाभ उठा सकते हैं। यह ऑफर पूरे मेले में 26 फरवरी, 2025 तक और न्यूनतम 1 रुपये के लेनदेन पर वैध है। इस कैंपेन के प्रति ग्राहकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए, कंपनी महाकुंभ थीम पर आधारित त्तक्रकोड, बैनर, पोस्टर और अन्य ब्रांडिंग टूल्स का उपयोग प्रमुख स्थानों पर कर रही है। इसके अलावा, इस पवित्र आयोजन को और अधिक विशेष बनाने के लिए, फोनपे ने अपने स्मार्ट स्पीकर पर एक स्पेशल मैसेज लॉन्च किया है, जो श्रद्धालुओं को यह शुभकामना देता है- महाकुंभ की शुभकामनाएं, महा शगुन के साथ।

स्पीड किचन की सफलता की रेसिपीःनवाचार, मेहनत और शार्क टैंक इंडिया 4 का जादू

नईदिल्ली, एजेंसी। शार्क टैंक इंडिया में स्पीड किचन का शानदार सफर सभी को पसंद आया और इस प्लेटफॉर्म ने एक गेम-चेंजिंग डील कर डाली। बचपन के दोस्तों पौर्वरस्तोगी और शमीन कपूर द्वारा संस्थापित स्पीड किचन के पीछे फूड आंत्रप्रेन्योर्स की चुनौतियों को हल करने की साझा सोच थी। पौर्व, जो कंपनी के सह-संस्थापक हैं, ने रितेश की कंपनी में काम किया था और कई देशों में यात्रा की थी। इसके बाद, उन्होंने महसूस किया कि पारंपरिक रेस्तरां खोलने में कई समस्याएँ होती हैं, जैसे उपयुक्त स्थान ढूँढना और लीज समझौते करना इत्यादि। इन समस्याओं के समाधान के रूप में, पौर्व और शमीन ने स्पीड किचन की स्थापना की, जो खाद्य ब्रांड्स को रेडी-टु-यूज़ कमर्शियल किचन स्पेस, लाइसेंस और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराती है।

महू में कहीं बम मिलते हैं तो कहीं बाघ, तेंदुआ, सेना का बम फटने से ग्रीण की मौत, आर्मी क्षेत्र में घूम रहा है तेंदुआ

महू। महू में अक्सर सेना अभ्यास में छोड़े गए बम जो फूट नहीं पाते हैं और निष्क्रिय होकर अनजान जगहों पर पड़े दबे रहते हैं, उनसे कई बार जनहानि होती आई है। गत वर्ष जून की घटना के बाद नए वर्ष में भी एक मौत बम मिलने से हुई। यह घटना क्रम कल शाम को महू के बैरछा रेंज आर्मी, थाना बडगोंदा, महू जिला इंदौर, में घटा।

पुलिस प्रभारी लोकेंद्र सिंह हिलोरे ने बताया कि 15.01.2025 की दोपहर बाद मृतक किशन प्रजापति पिता रामरतन प्रजापति, उम्र 55 साल, जाति कुम्हार निवासी ग्राम बैरछा थाना बडगोंदा, का अपनी पत्नी लक्ष्मीबाई के साथ आर्मी बैरछा रेंज तरफ लकडी बीनने गया था, जो फायरिंग रेंज अन्तर्गत विस्फोटक सामग्री (मीस फायर-मोटार बम जैसा) के फटने से उक्त मृतक की मौके पर मृत्यु हो गई।

मृतक की पत्नी से प्रारंभिक पूछताछ पर पता चला कि जमीन के अन्दर कुछ लोहे/स्टील जैसा चमकदार धंसा हुआ बम जैसी वस्तु नजर आई, जिसे जमीन के अन्दर से खींचकर निकालते समय हाथ में फट गया, जिस कारण आई चोटों से मौके पर उसके पति की मृत्यु हो गई। मृतक की पत्नी भी आस पास जंगल में थी, जो सुरक्षित है।

पुलिस को प्राप्त सूचना पर घटना स्थल से बॉडी रिकवर कर पी.एम. हेतु मध्यभारत अस्पताल भेजी गई। घटना क्रम की सूचना आर्मी इंट महू एवं फायरिंग फील्ड ऑफिसर को सूचना दी गई है, आर्मी से संबंधित आधिकारी भी आये। घटना क्रम के संबंध में थाना बडगोंदा पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

जंगल से रहवासी क्षेत्र में आ रहे हैं बाघ, तेंदुआ

जानवरों का फॉरेस्ट कॉरिडोर बिगड़ने से, जहां सिमरोल में खंडवा सड़क निर्माण के कारण सुरंगे बनने से जंगल का कॉरिडोर ध्वस्त हुआ है उससे जंगल के जानवर भटककर महू के जंगलों से होकर रहवासी क्षेत्रों से गुजर रहे हैं। पिछले साल कई बार कभी बाघ तो कभी तेंदुए रहवासी क्षेत्र में जानवरों पर हमले करते रहे हैं जबकि एक वृद्ध की मौत भी हुई है।

पिछले दो दिनों से आर्मी महू क्षेत्र में एक तेंदुए की उपस्थिति पाई गई है जो क्षेत्र में घूमता हुआ नजर आ रहा है। इसे पकड़ने के लिए फॉरेस्ट ने सीसीटीवी कैमरे और पिंजरे भी जगह-जगह लगाए हैं लेकिन यह पकड़ में नहीं आ पा रहा है। पहले भी आर्मी क्षेत्र में कई बार तेंदुए और बाघ घूमते नजर आए हैं। सैन्य इलाका महू शहर के नजदीक ही जुड़ा हुआ है।

अभी तक वन विभाग यह जानने की कोशिश नहीं कर रहा है कि यह जानवर महू क्षेत्र तक अचानक बार बार में क्यों नजर आने लगे हैं। पूर्व में फॉरेस्ट रेंजर वैभव उपाध्याय ने बताया था की फॉरेस्ट कॉरिडोर बिगड़ने के कारण जानवर अब महू के जंगलों में ज्यादातर प्रवासी इलाकों में भटकते हुए नजर आते हैं।

भोपाल ने चौंकायाः स्विगी इंस्टामार्ट पर एक यूजर ने 2024 में दैनिक जरूरत की चीजों पर खर्च किए 1 लाख रुपये

भोपाल, । अपनी समृद्ध विरासत और जीवंत संस्कृति के लिए लोकप्रिय भोपाल ने 2024 में स्विगी इंस्टामार्ट की सहूलियत को दिल से अपनाया। सालाना 'हाउ इंडिया स्विगीड 2024 - स्विगी इंस्टामार्ट एडिशन' रिपोर्ट में सामने आया है कि किस तरह से शहर के लोगों ने मात्र 10 मिनट में डिलीवरी के साथ अपनी दैनिक जरूरतों और त्योहारी उत्साह का आनंद उठाया। इस रिपोर्ट को लेकर स्विगी इंस्टामार्ट के सीईओ अमितेश झा ने कहा, 'भोपाल में लॉन्चिंग के बाद से हमने देखा है कि यहां के यूजर्स तेजी से क्विक कॉमर्स की सुविधाओं को अपना रहे हैं। लोगों ने रोजाना की जरूरत की वस्तुओं से लेकर खिलौने, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, मेकअप एवं यहां तक कि त्योहारी जरूरत की वस्तुओं के लिए भी क्विक कॉमर्स को अपनाया और मात्र 10 मिनट में इनकी डिलीवरी पाई। शहर में स्विगी इंस्टामार्ट से खरीद के मामले में दूध, दही, ब्रेड, आलू चिप्स और टमाटर सबसे ऊपर रहे। शहर के लोगों ने जरूरत पड़ने पर मात्र 10 मिनट में ग्रॉसरी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अन्य उत्पाद खरीदने के लिए ऑर्डर किया। इस सफर का हिस्सा बनने, लोगों के जीवन को आसान बनाने और जरूरत के समय ग्राहकों तक उनके पसंदीदा उत्पादों को पहुंचाने में मदद करने का हमें गर्व है।'

भोपाल के फेवरेट- शहर में सबसे ज्यादा ऑर्डर किए जाने वाले टॉप 5 उत्पाद रहे दूध, दही, ब्रेड, आलू चिप्स और टमाटर।

तेज डिलीवरी- शहर में एक ऑर्डर मात्र 106 सेकेंड में डिलीवर कर दिया गया। इसमें डिलीवरी पार्टनर को 501 मीटर की दूरी तय करनी पड़ी। सबसे ज्यादा खर्च- शहर के एक यूजर ने रसोई की जरूरत के उत्पादों से लेकर शानदार ट्रीट से जुड़े प्रोडक्ट्स तक के लिए कुल 1 लाख रुपये खर्च किए।

त्योहारों में दिखा उत्साह- सबसे बड़े त्योहारों में से एक दिवाली के दौरान टी-लाइट कैंडल और माचिस का बड़ा ऑर्डर मिला। इससे त्योहारों की भव्यता दिखती है। खूब हुई सीक्रेट शॉपिंग- भोपाल में यूजर्स ने इनकॉग्निटो मोड से पानी, दूध, चिप्स और कंडोम जैसे प्रोडक्ट्स ऑर्डर किए। इससे दिखता है कि शहर के लोग कुछ बातों को राज बनाकर रखना पसंद करते हैं। अचानक लगी भूख को मिटाने की बात हो या किसी जश्न की, भोपाल के लोगों ने फ्लेवर, फन और फाइननेस के साथ स्विगी का आनंद लिया। किचन के लिए क्विक पिक-अप से लेकर पार्टी तक, इंस्टामार्ट ने तेजी, सहूलियत और लोकल फ्लेयर के आनंद के साथ शहर के लोगों की जरूरतों को पूरा किया।

ओप्पो इंडिया ने नए एआई फीचर्स के साथ पेश की रेनो13 सीरीज़

मुंबई, एजेंसी। ओप्पो इंडिया की पॉपुलर रेनो13 5जी सीरीज़ का भारत में लॉन्च हो गया है। यह सीरीज़, स्मार्टफोन के अनुभव को परिभाषित करने के लिए बनाई गई है। इसमें इमेजिंग और प्रोडक्टिविटी के लिए एक फ्लैगशिप स्तर का कैमरा सिस्टम, मीडिया टेक डायमेंसिटी 8350 स्पष्ट चिपसेट तथा कई अत्याधुनिक एआई फीचर्स दिए गए हैं। रेनो13 सीरीज़ अल्ट्रा-ड्यूरेबल डिज़ाईन के साथ उन लोगों के लिए बनाई गई है, जो असाधारण परफॉर्मेंस पसंद करते हैं। इस सीरीज़ में दो स्मार्टफोन, रेनो13 और रेनो13 प्रो शामिल हैं।

अब बिना मार्कशीट भी बन सकेगा ड्राइविंग लाइसेंस, जनता की परेशानी पर आरटीओ का बड़ा फैसला

इंदौर।आरटीओ में ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अचानक मार्कशीट को अनिवार्य कर दिया गया था, जबकि इसकी सूचना आरटीओ अधिकारियों को नहीं थी। सोमवार को परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस के टेस्ट के लिए पहुंचे सैकड़ों आवेदकों को मार्कशीट न होने की वजह से वापस लौटना पड़ा। कर्मचारियों ने तर्क दिया कि कोर्ट के आदेश के अनुसार आधार कार्ड को आयु प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, इसलिए मार्कशीट अनिवार्य है। इस स्थिति की जानकारी मिलने पर आरटीओ प्रदीप शर्मा ने तुरंत हस्तक्षेप किया और नई व्यवस्था को रद्द कर पहले की प्रक्रिया को पुनः लागू कर दिया।

आरटीओ ने बताया कि परिवहन विभाग के 'सारथी' पोर्टल पर मार्कशीट अपलोड करने का कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक पोर्टल में यह सुविधा नहीं जोड़ी जाती, तब तक मार्कशीट की अनिवार्यता लागू नहीं की जाएगी। इसके साथ ही, आरटीओ ने एनआईसी अधिकारियों से संपर्क करके पोर्टल में यह विकल्प जोड़ने के लिए चर्चा शुरू कर दी है।

उन्होंने यह भी स्पष्टकिया कि आधार कार्ड को आयु प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, इसलिए मार्कशीट में दर्ज जन्मतिथि को एक वैकल्पिक दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भविष्य में लर्निंग लाइसेंस टेस्ट के दौरान ही आवेदन करते समय मार्कशीट अपलोड करनी होगी, ताकि जन्मतिथि की पुष्टि के बाद ही आवेदक को टेस्ट में सम्मिलित किया जा सके। आरटीओ ने यह भी बताया कि जल्द ही सारथी पोर्टल में जरूरी बदलाव किए जाएंगे। तब तक आवेदकों को मार्कशीट के बिना लाइसेंस प्रक्रिया में कोई समस्या नहीं होगी। इस फैसले ने सैकड़ों आवेदकों को राहत दी है, जो नई व्यवस्था के कारण कठिनाई महसूस कर रहे थे। हाल ही में आरटीओ ने विभिन्न स्थानों पर कैंप आयोजित किए हैं ताकि सभी लोगों के लाइसेंस बन सकें और वे लाइसेंस की कमी के कारण कानूनी परेशानियों में न फंसे।

गोहद, भिंडः सिद्ध स्थान गंगेबा सरकार में कुश्ती प्रतियोगिता, कौशल गुर्जर बने विजेता

गोहद, भिंड। सिद्ध स्थान गंगेबा सरकार ग्राम पंचायत घमुरी में कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में क्षेत्र के प्रसिद्ध पहलवानों ने भाग लिया और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

कौशल गुर्जर ने दिखाया दमखम ग्वालियर के नाथू अखाड़ा के पहलवान कौशल गुर्जर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में जीत दर्ज की।

विजेता पहलवानः कौशल गुर्जर, ग्वालियर (नाथू अखाड़ा), भवानी तोमर, अंबा पोरसा (मुरैना), दीपू पहलवान, ग्वालियर (नाथू अखाड़ा), पारस पहलवान, बराआगरा, इनाम राशि और कुश्तियों का विवरण

आखिरी कुश्ती : 11,000 की इनामी राशि, दूसरी प्रमुख कुश्तीः5,100 की इनामी राशि

उपस्थित रहे गणमान्य- कार्यक्रम में क्षेत्र के कई सरपंच, सचिव और ग्रामवासियों ने उपस्थिति दर्ज कीः सत्येंद्र सिंह राणा, सरपंच घमुरी, गुड्डू सिंह पबैया, सरपंच छैकुरी, राहूल गुर्जर, सरपंच डांग छैकुरी, दर्शन सिंह गुर्जर, सरपंच दंदरौआ, संजय सिंह राणा, सरपंच इटायली, रामबाबू शर्मा, सेक्रेटरी, संजीव यादव, सेक्रेटरी, बाला प्रसाद शर्मा, सिनोर मंदिर पुजारी और स्थानीय प्रशासन भी मौजूद सिद्ध स्थान गंगैबा के पुजारी सोनू शर्मा और स्थानीय पुलिस थाना प्रभारी समेत अन्य अधिकारी भी इस आयोजन में उपस्थित रहे। ग्रामीणों की भागीदारी घमुरी, भडेरा, सिनौर और छैकुरी सहित आसपास के चार गांवों के सैकड़ों लोग इस आयोजन में शामिल हुए और पहलवानों का उत्साहवर्धन किया। संस्कृति और खेल का संगम यह आयोजन क्षेत्रीय परंपरा और खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें स्थानीय समुदाय ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा होलसेल एजेंसियों एवं पान मसाला विक्रय दुकानों का किया गया औचक निरीक्षण

दमोह -कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया द्वारा निरीक्षण कार्यवाही करते हुए दमोह शहर के मोरगंज गल्ला मंडी स्थित वेद इंटरप्राइजेज से सुहाना ब्रांड रेड चिली सॉस एवं मीट मार्केट के सामने स्थित शिवम पान मसाला से पान चटनी एवं स्वीटी मीठी सुपारी के नमूनें जांच हेतु लिए गये, जिनको गुणवत्ता जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। उक्त नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

वेद इंटरप्राइजेज के संचालक को मौके पर पेस्ट कंट्रोल प्रबंधन सर्टिफिकेट बनवाने एवं फोस्टैक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट प्राप्त के निर्देश दिए गए। शिवम पान मसाला के संचालक को खाद्य पंजीयन की प्रति स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। मौके पर निरीक्षण में पाई गई कमियों को दूर करके सुधार करने हेतु धारा 32 के तहत सुधार सूचना पत्र जारी किए गए।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आयरलैंड को 304 रनों से हराया, यह रिकॉर्ड, 3-0 से सीरीज जीती

राजकोट। तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारत ने आयरलैंड को 304 रनों से करारी मात दी। यह महिला क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड है। ऐसा पहली बार हुआ, जब भारतीय महिला टीम ने 300 या उससे ज्यादा रनों के अंतर से वनडे क्रिकेट में जीत दर्ज की। इससे पहले भारतीय टीम के नाम 249 रन के अंतर से जीत का रिकॉर्ड दर्ज था, जो उसने 2017 में आयरलैंड के खिलाफ ही दर्ज किया था। स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बुधवार को इतिहास रच दिया।

इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने आयरलैंड को इस वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। इस तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने 5 विकेट पर 435 रन बनाए, जो अपने घर में टीम इंडिया का सबसे बड़ा वनडे स्कोर (महिला-पुरुष दोनों में) है। पुरुष या महिला वनडे दोनों ही क्रिकेट में पिछला रिकॉर्ड 2011 में इंदौर में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय पुरुष टीम ने बनाया था। तब भारतीय टीम ने 418/5 के स्कोर बनाया था। वनडे में महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा एक पारी में रन बनाने का र?कॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम है। यह र?कॉर्ड उसने आयरलैंड के ख?लाफ ही साल 2018 में बनाया था।

तीसरे वनडे में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 435 का स्कोर बनाया। आयरलैंड के खिलाफ इस सीरीज में हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तानी कर रहीं स्मृति मंधाना ने 70 गेंदों में शतक जड़ा। इस तरह उन्होंने महिला वनडे मैचों में भारत की ओर से सबसे तेज शतक लगाया, यह उनका 10वां शतक रहा।

मंधाना ने महिला वनडे क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक लगाने का हरमनप्रीत कौर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वहीं स्मृति महिला वनडे में 10 या उससे अधिक शतक लगाने वाली चौथी क्रिकेटर भी बन गईं। मंधाना ने मैच में 80 गेंदों पर 135 रन बनाए, जिसमें उन्होंने 7 छक्के और 12 चौके जमाए। इससे पूर्व हरमनप्रीत कौर ने पिछले साल बेंगलुरु में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 87 गेंदों में शतक बनाकर यह रिकॉर्ड बनाया था। इस मुकाबले में मंधाना के अलावा ओपनर प्रत?का रावल ने भी शानदार 129 गेंदों में 154 रनों की पारी खेली। उन्होंने 20 चौके और 1 छक्का जड़ा। प्रतीका का यह पहला वनडे शतक रहा।

436 रनों के टारगेट के जवाब में आयरलैंड की टीम 31.4 ओवर में 131 रन ही बना सकी और ढेर हो गई। इस तरह भारतीय टीम ने यह मैच 304 रनों के अंतर से जीता। भारतीय टीम के लिए दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके. तनुजा कंवर को 2 सफलताएं मिलीं। जबकि टिटास साधु, सयाली सतघारे और मीनू मानी ने 1-1 विकेट लिया।

खजराना गणेश मंदिर में तिल चतुर्थी मेले का रंगारंग आयोजन, शानदार सजावट के साथ सवा लाख लड्डुओं के भोग

इंदौर। खजराना गणेश मंदिर में 17 से 19 जनवरी तक आयोजित होने वाले परंपरागत तिल चतुर्थी मेले की तैयारियां अब शुरू हो चुकी हैं। इस खास मौके पर भक्त मंडल 17 जनवरी को तिल और गुड़ से बने सवा लाख लड्डुओं का भोग अर्पित करेगा। शनिवार को मंदिर में पुजारी पं. मोहन भट्ट, धर्मेंद्र भट्ट और पं. अशोक भट्ट ने वैदिक मंत्रों के साथ लड्डू बनाने का कार्य प्रारंभ किया। यह प्रक्रिया छह भट्टियों पर शुरू हुई, जहां प्रसिद्ध रसोइए खेमजी महाराज और उनकी टीम के तीस रसोइए मिलकर लड्डू तैयार करेंगे।मेले की शुरुआत 17 जनवरी को सुबह 10 बजे मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और कलेक्टर आशीष सिंह, प्रशासक और निगमायुक्त शिवम वर्मा सहित अन्य अतिथियों द्वारा ध्वजा पूजन से होगी। इस दिन कलेक्टर और निगमायुक्त पूजा-अर्चना करके सवा लाख लड्डुओं का भोग अर्पित करेंगे और प्रसाद वितरण की प्रक्रिया शुरू होगी।तीन दिवसीय तिल चतुर्थी मेला, 18 और 19 जनवरी को होंगे विशेष भोगभक्त मंडल के संयोजक अरविंद बागड़ी और कैलाश पंच ने बताया कि यह मेला तीन दिनों तक चलेगा। 18 जनवरी को गणेशजी को गोंद के लड्डुओं का भोग अर्पित किया जाएगा, जबकि 19 जनवरी को उड़द के लड्डुओं का भोग समर्पित किया जाएगा।

साहित्य हमें जीवन जीने का ढंग, शैली एवं व्यवहारिक जीवन जीना सिखाता है: झारिया

छिंदवाड़ा। राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय छिंदवाड़ा के हिंदी विभाग में विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर सीताराम शर्मा के निर्देशन में एवं संयोजक डॉ विजय कलम धार सर के मार्गदर्शन महादेवी व्याख्यान माला का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में डॉ रामनाथ झरिया,हिंदी विभाग अध्यक्ष शासकीय महाविद्यालय अमरवाड़ा उपस्थित हुए, कार्यक्रम की शुरुआत संयोजक डॉ विजय कलामधर सर स्वागत उद्बोधन से किया। मुख्य वक्ता डॉ रामनाथ झरिया सर ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी में भी अनेकों अनेक रोजगार उपलब्ध हैं जैसे शिक्षा के क्षेत्र ,मीडिया और मनोरंजन, लेखन और प्रकाशन, सरकारी क्षेत्र, व कॉर्पोरेट के क्षेत्र में बहुतायत रूप में रोजगार के अवसर है और कहा कि साहित्य हमें जीवन जीने का ढंग ,शैली एवं व्यवहारिक जीवन के लिए अत्यधिक उपयोगी है। प्रो सीताराम शर्मा ने छात्राओं को आशीर्वचन प्रदान कर मार्गदर्शन किया, मंचसंचालन श्रीमती रेणुका पोफ़ली एवं अभार श्रीमती नीता वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शोभा राम जम्होरे तथा समस्त विभागीय सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

छाया आम्रवंशी को गृहस्थी का सामान दिया

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के नगर पालिका वार्ड नंबर 12 में छाया आम्रवंशी के मकान में आग लग जाने के कारण पूरा सामान जलकर राख हो गया था छाया आम्रवंशी की मदद के लिए समाज के लोगों से आम जनमानस से सहयोग की अपील की गई थी सहयोग में जिले के सांसद द्वारा 10,000 रु की राशि नगद दी गई थी नगर पालिका अध्यक्ष और कर्मचारियों ने गैस सिलेंडर और 7500 की राशि नगर दी गई थी एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा गृहस्थी का सामान दिया गया था और आज व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से फोन पे पर प्राप्त और नगद मिलाकर 22050 रुपए की राशि छाया आम्रवंशी को नगद दी गई सभी लोगों को सहयोग के लिए छाया आम्रवंशी ने धन्यवाद दिया।

बैजू वर्मा के हाथों में सौंपी कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग की कमान

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के विश्वास पात्र व लम्बा राजनीतिक अनुभव रखने वाले कांग्रेस जनप्रतिनिधि बैजू वर्मा को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उनके कुशल नेतृत्व का लाभ आगामी दिनों में कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग को प्राप्त होगा जिससे कांग्रेस संगठन और अधिक सशक्त होगा। कमलनाथ एवं नकुलनाथ के निर्देशानुसार व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे व कांग्रेस के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों से चर्चा के उपरांत छिन्दवाड़ा जिले के चांद के गोहरगांव निवासी बैजू वर्मा को कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग में जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

आज से प्रारंभ होंगे राजस्व वसूली शिविर...

आयुक्त के निर्देश पर प्रत्येक वार्ड में तीन दिन लगेंगे शिविर

छिंदवाड़ा। वित्तीय वर्ष 2024-25 समाप्त होने में अब तीन माह से भी कम समय शेष है। नगर पालिक निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय के निर्देश पर निगम के राजस्व अमले द्वारा आज से शहर के विभिन्न वार्ड में तीन दिवसीय वसूली शिविर लगाए जाएंगे। निगमायुक्त द्वारा जारी आदेश अनुसार दिनांक 16 जनवरी से 18 जनवरी तक तीन दिवस लगातार वार्ड क्रमांक 1 में खंडेरा मंदिर के पास, वार्ड क्रमांक 3 में खजरी पंचायत भवन, वार्ड क्रमांक 11 में स्कन्द माता मंदिर के पास, वार्ड क्रमांक 23 में शारदा चौक , वार्ड क्रमांक 39 साई मंदिर विवेकानंद कॉलोनी एवं वार्ड क्रमांक 20 के चौड़ा बाबा मंदिर के पास संपत्ति कर एवं जलकर वसूली हेतु शिविर लगाए जाएंगे। शहर के करदाता इन शिविरों के साथ ही निगम के मुख्य कार्यालय, जोन कार्यालय कुकड़ा जगत, जगन्नाथ स्कूल, चंदनगांव एवं लोनिया करबल जोन के संपत्ति कर एवं जलकर के संग्रहण काउंटर में अपने बकाया जलकर एवं संपत्ति कर का भुगतान कर सकते है। इसके साथ ही निगमायुक्त के आदेश पर सभी 48 वार्ड के कर संग्राहक वार्ड में बिल वितरण एवं वसूली कार्य करेंगे। विदित हो कि नगर निगम द्वारा आवासीय भवनों के संपत्ति कर में प्रतिवर्ष 50 प्रतिशत की छूट दी जाती है एवं संपत्ति कर के बिल का वितरण 50 प्रतिशत घटाकर ही किया गया है परंतु मध्य प्रदेश शासन द्वारा 26 सितंबर 2020 को जारी राजपत्र के अनुसार यदि भवन स्वामी द्वारा चालू वर्ष के संपत्ति कर भुगतान चालू वित्तीय वर्ष में नहीं किया गया तो संपत्ति कर पर दी जाने वाली 50 प्रतिशत छूट समाप्त हो जायेगी और भवन स्वामी को मूल संपत्ति कर का भुगतान करना होगा। इसके साथ ही भवन स्वामी पर अधिभार भी अधिरोपित किया जाएगा।

शेखर शर्मा का निधन

भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने व्यक्त की शोक संवेदनाएं

छिन्दवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने भाजपा के

कर्मठ कार्यकर्ता एवं कार्यालय सहायक शेखर शर्मा के निधन पर गहन दुख व्यक्त करते हुए अपनी शोक संवेदनाएं प्रगट की। श्री यादव ने दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने तथा उनके परिवारजन को असीम दुख सहन करने की क्षमता देने की ईश्वर से प्रार्थना की।भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव शेखर शर्मा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नगर के प्रतिष्ठित नागरिक व खाद-बीज विक्रेता एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष व तुलसी रामायण मंडल के अध्यक्ष श्री शिव कुमार शर्मा (नन्हें भैया) के द्वितीय सुपुत्र श्री शेखर शर्मा लंबी बीमारी के चलते आज निधन हो गया। श्री यादव ने कहा कि शेखर शर्मा भाजपा के सच्चे सिपाही थे और उनके निधन से भाजपा परिवार को अपूर्णीय क्षति हुई हैं।

तीन मजदूरों की मिट्टी धंसने से मौत

परिजनों को 4 लाख की आर्थिक सहायता

छिंदवाड़ा। जिले के ग्राम खूनाझिरखुर्द में एक निजी जमीन पर पुराने कुएं के गहरीकरण के दौरान मिट्टी धंसने से तीन मजदूरों की असामयिक मृत्यु हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब मजदूर गहराई में काम कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बल, होमगार्ड और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। हालांकि, सभी प्रयासों के बावजूद मजदूरों को बचाया नहीं जा सका। मध्य प्रदेश के मंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मृतकों के परिजनों को शासन की ओर से नियमानुसार 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। यह हादसा क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और काम के दौरान सुरक्षा उपायों की कमी की ओर इशारा करता है। प्रशासन से इस मामले की गहन जांच की उम्मीद की जा रही है।

मजदूरों के असामयिक निधन पर सांसद ने व्यक्त की शोक संवेदना

छिंदवाड़ा जिले के अंतर्गत ग्राम खुनाझिर खुर्द में निजी जमीन पर पुराने कुएं के गहरीकरण पर तीन मजदूरों की आसामायिक निधन पर सांसद बंटी विवेक साहू ने शोक संवेदना व्यक्त की है, सांसद ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा तुरंत रेस्क्यू कार्य शुरू कर मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने का हर संभव प्रयास किया गया परंतु उन्हें बचाया नहीं जा सका सांसद ने दिवंगत आत्माओं को शांति और परिजनों को गहन दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने व्यक्त की शोक संवेदना

ग्राम खूनाझिरखुर्द स्थित पुराने कुएं के गहरीकरण के दौरान मिट्टी धंसने से हुई दुर्घटना में 3 मजदूरों की असामयिक दुखद मृत्यु हो जाने पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं को शांति एवं परिवारजनों को इस गहन दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

खूनाझिरखुर्द हादसे पर नकुल-कमलनाथ ने व्यक्त किया शोक

ग्राम खुनाझिरखुर्द में हुए हादसे पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने गहन दुख व्यक्त किया है। विदित हो कि खुनाझिरखुर्द में गहरीकरण के दौरान कुंआ धंस गया। हादसे में तीन लोगों की मौत की घटना बेहद दुखद है। कमलनाथ व नकुलनाथ ने शोक संवेदनाएं व्यक्त करते शोकाकुल परिवार को इस गहन दुख की घड़ी में संभल प्रदान करने प्रार्थना की। वहीं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, पांढुर्ना विधायक निलेश उइके, सांवरी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दीनदयाल यदुवंशी व पर्यवेक्षक इंद्रपाल पटेल ग्राम खूनाझिरखुर्द पहुंचे और घटना स्थल का मुआयना करने के उपरांत दिवंगत मजदूरों के साथी मजदूरगणों से भेंट कर उन्हें डांडस बंधाया साथ ही कमलनाथ, नकुलनाथ व कांग्रेस परिवार की ओर से हर संभव मदद हेतु आश्वस्त किया।

जिले में कुएं, बावड़ी का गहरीकरण, मरम्मत कार्य संबंधित एसडीएम की अनुमति के बिना पूर्णत: प्रतिबंधित

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी शीलेन्द्र सिंह द्वारा जिले की मोहखेड़ तहसील की उप तहसील सांवरी के ग्राम खुनाझिर खुर्द में 14 जनवरी 2025 को एक निजी कुएं के गहरीकरण कार्य के दौरान अप्रत्याशित रूप से हुए भू-स्खलन होने से तीन मजदूरों के नीचे दबने की घटना के दृष्टिगत और भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करते हुए जिले में किसी भी स्थान पर स्थापित कुयें, बावड़ी का गहरीकरण, मरम्मत कार्य, ब्लास्टिंग कार्य आदि, आवश्यक सुरक्षा उपकरणों एवं संबंधित अनुविभाग के अनुविभागीय दण्डाधिकारी की अनुमति के बगैर पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सिंह ने कानून एवं व्यवस्था तथा आमजन के जान-माल को आसन्न खतरा उत्पन्न होने की स्थिति को रोकने के लिये इस पर अंकुश लगाये जाने के लिए यह प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश आम जनता को संबोधित है। जो व्यक्ति, संगठन, समिति, संस्था इस आदेश का उल्लंघन करेगा तो उसके विरूध्द भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के प्रावधानों के अंतर्गत अभियोजन की कार्यवाही की जायेगी ।

जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं के निरीक्षण व प्रबंधन के लिये प्रभारी अधिकारी नियुक्त

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा दिये गये आदेशानुसार परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल पटेल को आगामी आदेश तक अस्थाई रूप से सिम्स छिंदवाडा से सम्बध्द जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा की व्यवस्थाओं के निरीक्षण और जिला चिकित्सालय के प्रबंधन के लिये प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। अतिरिक्त कलेक्टर श्री के.सी.बोपचे ने बताया कि परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल पटेल कलेक्टर छिंदवाडा के आदेशों के परिपालन में यह सुनिश्चित करेंगे कि जिला चिकित्सालय में सभी व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं। किसी भी प्रकार की समस्या या अव्यवस्था की सूचना तुरन्त सबंधित अधिकारियों को देंगे । आवश्यकतानुसार अस्पताल प्रशासन को समुचित दिशा-निर्देश प्रदान करेंगे । जिला चिकित्सालय छिंदवाडा में जन्म-मृत्यु के पंजीयन की कार्यवाही की सतत् मॉनिटरिंग की जाएगी। परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टर श्री पटेल नियमानुसार अपनी रिपोर्ट समय-समय कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे ।

गाँधी गंज अनाज मंडी छिंदवाड़ा में निक्षय शिविर का आयोजन

छिन्दवाड़ा। गाँधी गंज अनाज मंडी छिंदवाड़ा में आज निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में टीबीएचवी सुश्री आरती दुबे द्वारा सभी का स्वागत एवं परिचय करवाया गया। व्यापारी मंडल गाँधी गंज द्वारा 25 क्षय मरीजों को पोषण आहार (फूड बास्केट) वितरित किए गए। कार्यक्रम में संभागीय डब्ल्यूएचओ सलाहकार डॉ.योगेश शर्मा ने 100 दिवसीय निक्षय शिविर एवं क्षय रोग से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में क्षय मरीजों से उनके स्वास्थ्य संबंधित व उपचार पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला क्षय अधिकारी डॉ.अर्चना कैथवास, डीपीसी रोहित साहू, एपीएम सुश्री आरती यादव, पिरामल फाउंडेशन डीपीओ अमरदीप साहू व अर्बन बीईई देशमुख उपस्थित थे। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय टीबीएचवी सुश्री दुबे की सक्रिय भूमिका रही । कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार प्रदर्शन किया गया।

जूनियर इंजीनियर और बाबू रिश्वत लेते पकड़ाये

छिन्दवाड़ा। पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त जयदीप प्रसाद के निर्देश पर जबलपुर लोकायुक्त इकाई की बड़ी कार्रवाई आज दिनांक-15 जनवरी 2025 स्थान-कार्यालय कनिष्ठ अभियंता, MPPKVCL, उमरानाला, जिला छिंदवाड़ा लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए रिश्वत लेते दो अधिकारियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए लोकायुक्त संगठन की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आम जनता से अपील है कि इस प्रकार के मामलों में सहयोग कर भ्रष्टाचार को समाप्त करने में योगदान दें।

शिकायतकर्ता- जगदेव डोंगरे (56 वर्ष), निवासी इक्कल बिहरी, थाना मोहखेड़, चौकी उमरानाला, जिला छिंदवाड़ा।

आरोपी। 1. गजानन कडू (61 वर्ष), पद- कनिष्ठ अभियंता, कार्यालय MPPKVCL, उमरानाला। 2. पूनाराम रामाजी कड़वेकर (61 वर्ष), पद- सहायक ग्रेड-3, कार्यालय MPPKVCL, उमरानाला।

मामला- शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने अपने खेत में बोरवेल करवाकर 5 एचपी पंप कनेक्शन के लिए दिसंबर 2024 में विद्युत वितरण केंद्र उमरानाला में आवेदन किया था। कनिष्ठ अभियंता गजानन कडू ने स्थायी कनेक्शन देने के बजाय बिजली चोरी का मामला बनाकर ?30,000 की पेनल्टी राशि का नोटिस थमा दिया। इसके बाद स्थायी कनेक्शन के लिए ?10,000 रिश्वत की मांग की गई। मोलभाव के बाद यह राशि रू. 6,000 पर तय हुई।

कार्रवाई- शिकायत की सत्यता जांचने के बाद आज, 15 जनवरी 2025, लोकायुक्त की टीम ने उमरानाला स्थित कार्यालय में ट्रैप कार्रवाई की। गजानन कडू और पूनाराम कड़वेकर को ?6,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया।

कानूनी प्रावधान- आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (संशोधन) 2018 की धारा 7, 13(1)B, 13(2) और 61 BNS के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ट्रैप दल के सदस्य- इंस्पेक्टर कमल सिंह उईके ङ्क इंस्पेक्टर नरेश बेहरा- उपनिरीक्षक शिशिर पांडे -लोकायुक्त जबलपुर टीम ।

मान्यता नवीनीकरण के आदेश की मांग

प्रायवेट स्कूलों संचालक हुए एकजुट राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा । सोसायटी ऑफ प्रायवेट स्कूल डायरेक्ट सोपास जिला छिंदवाड़ा ने प्रायवेट स्कूलों की विभिन्न समस्यओं के समाधान हेतु राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन को कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि वर्ष 2022-23 में बने मानक मापदंडो तथा नियमों का परिपालन करते हुये पुनः वर्तमान सत्र 2025-2026 की मान्यता नवीनीकरण के आदेश दिये जायें जिससे हजारों निजी स्कूलों का संचालन संभव हो सके, और इन संस्थाओं से जुड़े लाखों लोगों को बेरोजगार होने से बचाया जा सके साथ ही 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को अनिवार्य व निः शुल्क शिक्षा प्राप्त हो सके । इस अवसर पर संगठन के जिला अध्यक्ष अभय टेकाड़े के साथ वरिष्ठ मार्गदर्शक मंडल के सदस्यों व जिला कार्यकारिणी सोपास सहित बड़ी संख्या में विकासखण्ड के प्रायवेट स्कूल संचालन उपस्थित थे ।

दूसरे दिन भी मिलेट्स फूड फेस्टिवल में पहुंचे जिलेवासी

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मिलेट्स से बने स्वादिष्ट व्यंजनों का उठाया लुत्फ

छिन्दवाड़ा। जिला स्तरीय मिलेट्स फूड फेस्टिवल के दूसरे दिन भी जिलेवासी अपने परिवार के साथ पोला ग्राउंड छिंदवाड़ा में आयोजित मिलेट्स मेले में पहुंचे। इस दौरान जहां उन्होंने सभी स्टॉलों का भ्रमण कर अपनी पसंदीदा सामग्री खरीदी, तो वहीं दूसरी ओर रंगारंग कार्यक्रमों के बीच मिलेट्स से बने विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों जैसे रागी का सूप, श्रीअन्न खिचड़ी, खुद, महुए की पूड़ी, बाजरा बेसन लड्डू, संवा चावल एवं मूंग दाल का चीला, रागी की पौष्टिक मठरी, मिलेट्स से बने बिस्किट आदि का लुत्फ उठाया। आई लव मिलेट्स सेल्फी पॉइंट पर फोटो भी निकलवाई। मेले में मिलेट्स की पौष्टिकता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों के व्याख्यान भी आयोजित किए गए, जिसका लाभ जिलेवासियों, स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों ने उठाया। जिला प्रशासन और उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह ने मिलेट्स फूड फेस्टिवल को सफल बनाने के लिए सभी जिलेवासियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, मीडिया के साथियों, विद्यार्थियों और सभी विभागों के शासकीय अमले का आभार व्यक्त किया है।

विधायक निवास के पीछे सैकड़ों ट्राली रेत का अवैध भंडारण, प्रशासन मौन

नगर परिषद से जनपद पंचायत तक फैला भ्रष्टाचार का जाल

छिन्दवाड़ा। सरकारी नुमाइंदों के गठजोड़ ने हर्रई को भ्रष्टाचार के मुंह में धकेल दिया है। हर्रई नगर परिषद से प्रारंभ हुए गबन की जड़ें जनपद पंचायत तक पहुंच चुकी है। सम्पूर्ण गबन, घोटाले व हेराफेरी की लिखित शिकायत होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होना साबित कर रहा है कि विधायक कमलेश शाह की धौंस के आगे प्रशासन भी नतमस्तक हो चुका। उक्त उदगार जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता धीरनशा सुखरामदास दादा जी ने व्यक्त किए हैं।

धीरनशा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में आगे कहा कि सारे नियम व कायदों को अंगूठे पर रखकर भाजपा विधायक श्री कमलेश शाह ने पहले तो स्वयं की कृषि भूमि पर अवैध प्लॉट काटे जिस पर 243 मकान व दुकानों का निर्माण हुआ है किन्तु दुकानदारों व मकान में रहने वालों के नाम पर रजिस्ट्री नहीं की। सम्पूर्ण भूमि कमलेश शाह के नाम पर दर्ज है, जबकि नगर परिषद हर्रई के द्वारा दुकानदारों व मकान में रहने वालों से जो टैक्स वसूल रहे उसकी रसीद में उन्हें दखलदार लिखा जा रहा है जबकि उसके पहले भूमि स्वामी कमलेश शाह लिखा है साथ ही इन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी नियम विरुद्ध दिलाया गया है। जिसकी निष्पक्ष जांच व कार्रवाई हेतु मय प्रमाण शिकायत अधिकारी के पास की गई फिर भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

प्रोग्रेसिव लाइफ सेन्टर संस्था द्वारा गरीब, जरूरतमंदो को किये कंबल वितरण

छिंदवाड़ा - प्रोग्रेसिव लाईफ सेन्टर संस्था औरंगाबाद (महाराष्ट्र) जो कि एक सामाजिक संस्था है, और संस्था द्वारा विगत् कई दिनों से समाजसेवा का कार्य किया जा रहा है जिसके अंतर्गत महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इसी क्रम में संस्था छिंदवाड़ा नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ठण्ड को देखते हुये दिव्यांग जनों के बीच पहुँचकर एवं शहर की झुग्गी झोपड़ियों के साथ-साथ शहर के विभिन्न स्थानों पर विधवा महिलाओं और वृद्धजनों को ठंड से राहत दिलाने कंबल वितरण किये गये। इस अवसर पर संस्था की ओर से उमाकांत नाग, महेश लोहोरे, रवि हरपाल, शीतल हरपाल, राजकुमार मोटघरे, श्रवण आहके सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

सेना जवान के खेत में जेसीबी लेकर घुसे दबंग, परिवार के साथ की मारपीट

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दबंगों की गुंडागर्दी आई सामने

सांध्य प्रकाश, बैतूल। बरसाली गांव में जमीनी विवाद का एक मामला सामने आया है। जिसमें सेवारत सैनिक और उसके परिवार को खुलेआम मारपीट किया गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल भी हुआ है । जिसमें जमीन पर कब्जा करते हुए सैनिक और उसके परिवार के साथ मारपीट किया गया है।

शिकायत के अनुसार ग्राम सचिव मुरलीधर यादव पिता रामचरण यादव, उनके बेटे लवकेश उर्फ लल्लू यादव, दिलीप यादव पिता मोहन यादव, रोहित यादव पिता हरीराम यादव और उनके साथ 50 से अधिक लोगों द्वारा सेवारत सैनिक के खेत में घुसकर मारपीट और गुंडागर्दी की। जेसीबी और ट्रैक्टर लेकर आए इन दबंगों ने खेत में कब्जा करने की कोशिश की विरोध करने पर या घटना हुई है। सैनिक चंद्रप्रकाश यादव ने बताया कि वे सेना जम्मू कश्मीर में तैनात है। छुट्टी पर घर आए हुए हैं। उनका जमीन का विवाद सिविल कोर्ट में लंबित है। जमीन पर स्टे ऑर्डर भी जारी है। बावजूद ग्राम सचिव मुरलीधर यादव पिता रामचरण यादव, उनके बेटे लवकेश उर्फ लल्लू यादव, दिलीप यादव पिता मोहन यादव, रोहित यादव पिता हरीराम यादव उनके साथ 50 से अधिक लोग जेसीबी और ट्रैक्टर लेकर खेत में घुस आए। कोर्ट का स्टे ऑर्डर के आधार पर रोकने का प्रयास किया। तो दबंगों ने स्टे ऑर्डर फाड़ दिया । और गाली-गलौज करके ही लाठी-डंडों से परिवार पर हमला कर दिया। जिससे चंद्रप्रकाश यादव पत्नी और माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए।

यादव ने बताया कि उन्होंने 100 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। लेकिन पुलिस को मौके पर पहुंचने में दो घंटे लग गए। इस दौरान आरोपियों ने खेत में नाली बना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दबंगों को रोका गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सैनिक ने पुलिस अधीक्षक से कार्यवाही पर संदेह जताया है। उन्होंने अपने और अपने परिवार के लिए सुरक्षा की भी मांग की

स्थाई कर्मचारियों ने रैली निकालकर मुख्यमंत्री के कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। मध्य प्रदेश स्थाईकर्मी कल्याण संघ ने अपनी लंबित समस्याओं और मांगों को लेकर 15 जनवरी को सागौन बगीचे से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बुंदेले के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को आठ सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में स्थाईकर्मियों, वन सुरक्षा श्रमिकों और अंशकालीन कर्मचारियों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई।ज्ञापन में बताया गया कि जिले में 8 वर्षों से स्थाईकर्मियों और अंशकालीन कर्मचारियों का नियमितिकरण लंबित है, जबकि अन्य जिलों जैसे विदिशा, रायसेन, सिवनी और छिंदवाड़ा में यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। संगठन ने मांग की कि समस्त विभागों में चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर स्थाईकर्मियों को नियुक्त किया जाए और सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाए। साथ ही, चिकित्सा सुविधा, चिकित्सा अवकाश, अर्जित अवकाश, अनुकंपा नियुक्ति और पेंशन की पात्रता सुनिश्चित की जाए।वन सुरक्षा श्रमिकों ने आरोप लगाया कि उन्हें न्यूनतम वेतन दर के अनुसार भुगतान नहीं किया जा रहा। पूर्व में 7,500 रुपये वेतन मिलता था, जो अब घटकर 3 हजार से 6 हजार तक रुपये रह गया है। श्रमिकों ने मांग की कि श्रमायुक्त द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन दर से भुगतान किया जाए और माह में पूरे 30 दिन का वेतन सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन में वनवृत्त बैतूल से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख किया गया। 1988 के पूर्व के दैनिक वेतनभोगियों का अप्रैल 1999 में नियमितिकरण हुआ था, लेकिन दिवंगत विजय सोनी जैसे कर्मचारियों का नियमितिकरण न होने के कारण उन्हें मानसिक प्रताडना झेलनी पड़ी।

Government of Madhya Pradesh

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

MSME

MPSEDC
INFOTECH ENGINE OF M.P.

MADHYA PRADESH TRADE
The heart of Incredible India

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएँ

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

24 25 फरवरी 2025, भोपाल

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शहडोल

अपार संभावनाओं की भूमि

16 जनवरी, 2025 । पूर्वाह्न 11:00 बजे

यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आर.जी.पी.वी., शहडोल

शुभारंभ

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
द्वारा

प्रमुख आकर्षण

- 4000+ प्रतिभागी
- मुख्यमंत्री के साथ वन-टू-वन मीटिंग
- 3 सेक्टर आधारित सत्र
- प्रदर्शनी

फोकस सेक्टर

खनन एवं खनिज | ऊर्जा | कृषि एवं उद्यानिकी | पर्यटन एवं हस्तशिल्प

Website: invest.mp.gov.in

#RICShahdol

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

INDUSTRY PARTNER
CII Confederation of Indian Industry

INDUSTRY PARTNER
EY Shape the future with confidence

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11159/24